

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

77 वें  
गणतंत्र दिवस  
की शुभकामनाएं

haribhoomi.com

रायपुर, सोमवार 26 जनवरी 2026

## सुमीत बाजार

**देश का पर्व**  
**सबसे बड़ा गर्वी**  
इस 26 जनवरी, होगी

HAPPY  
Republic  
Day

# 26

की गूँज  
पूरे देश में!

17 से 31 जनवरी 2026



बाजार मूल्य ₹149 & above

एक्सपोर्ट क्वालिटी  
कुशन कव्हर

₹26

मिक्स क्लेरायटी  
में



बाजार मूल्य ₹145 & above

100% कॉटन एक्सपोर्ट प्रीमियम क्वालिटी  
डायनिंग रनर

₹26

में



बाजार मूल्य ₹99 & above

100% कॉटन प्लेन प्रीमियम क्वालिटी  
पिलो कव्हर

₹26

में



बाजार मूल्य ₹99 & above

किचन नेपकीन

₹26

2 पीस  
में



बाजार मूल्य ₹99 & above

100% कॉटन एक्सपोर्ट प्रीमियम क्वालिटी  
डायनिंग मैट

₹26

2 पीस  
में



बाजार मूल्य ₹199 & above

टीन्स गर्ल्स कुर्ती

₹126

2 पीस  
में

10 वर्ष से  
15 वर्ष के  
गर्ल्स के लिये



बाजार मूल्य ₹199 & above

गर्ल्स कोर्ड सेट

₹126

में

22 से 36 साइज में



बाजार मूल्य ₹199 & above

Victorion फुटवियर

₹126

में



बाजार मूल्य ₹299 & above

प्लास्टिक  
जल मटका

₹126

में



बाजार मूल्य ₹350 & above

मेन्स प्लेन कुर्ता

₹126

में



बाजार मूल्य ₹399 & above

डिजिटल  
लिनन साड़ी

₹226

में



बाजार मूल्य ₹149 & above

लेडिस टीशर्ट

₹226

में

2 पीस



बाजार मूल्य ₹149 & above

बॉयज टीशर्ट

₹226

में

2 पीस

22 से 36 साइज में



बाजार मूल्य ₹299 & above

प्रिंटेड डबलबेड कम्पर्टर

₹226

में



बाजार मूल्य ₹499 & above

मेन्स टीशर्ट

₹226

में

2 पीस



बाजार मूल्य ₹459 & above

प्रीमियम  
डिजिटल सिल्क साड़ी

₹326

में



बाजार मूल्य ₹595 & above

लेडिस कोर्ड सेट

₹326

में



बाजार मूल्य ₹799 & above

डबलबेड किंग साइज  
1+2 बेडशीट

₹326

में



बाजार मूल्य ₹999 & above

डिजिटल प्रिंट  
मेन्स कुर्ता

₹326

में

SIZE 44 TO 50



बाजार मूल्य ₹799 & above

ब्रांडेड मेन्स शर्ट

₹326

में



बाजार मूल्य ₹899 & above

जरी  
हेण्डवर्क साड़ी

₹426

में



बाजार मूल्य ₹499 & above

फ्रॉक कुर्ती

₹426

में

2 पीस



बाजार मूल्य ₹299 & above

सिंगलबेड  
ब्लांकेट

₹426

में

2 पीस



बाजार मूल्य ₹795 & above

किंग साइज  
1+2 आकर्षक पैकिंग में  
बेडशीट

₹426

में



बाजार मूल्य ₹999 & above

मेन्स फार्मल इम्पोर्टेड  
ट्राउजर

₹426

में



बाजार मूल्य ₹999 & above

गुजराती सिल्क रिच पल्स  
साड़ी

₹526

में



बाजार मूल्य ₹999 & above

हैवी जेकार्ड कॉटन  
टॉवेल

₹526

में

2 पीस



बाजार मूल्य ₹999 & above

डबलबेड AC ब्लांकेट विथ बैग

₹526

में



बाजार मूल्य ₹999 & above

डबलबेड दोहड़ व्हाइट कलर में

₹526

में

बैग पैकिंग में



बाजार मूल्य ₹999 & above

मेन्स जीन्स

₹526

में

अन्य आकर्षण और भी हैं साइज उपलब्धतानुसार ऑफर स्टॉक रहने तक ऑफर में दिखाये गये चित्र मात्र सांकेतिक है आयटम भिन्न हो सकते हैं \*नियम व शर्तें लागू.

छत्तीसगढ़ - रायपुर - बैजनाथ पारा, गेट नं. 7 पंडरी मार्केट, पंडरी मॉल के बाजू, न्यू राजेन्द्र नगर, लाखेनगर, गुढ़ियारी, कटोरा तालाब, संतोषी नगर, महादेव घाट, बिरगांव, हीरापुर, भनपुरी, रामनगर। आरंग  
भिलाई - सुधीर एक्स्प्रेस के सामने सुपेला, पावर हाऊस, सुपेला चौक, मिरमा रोड। दुर्ग - स्टेशन रोड, पुनगांव। नवापारा (राजिम) - गंज रोड, सडर रोड। विलासपुर। भाटापारा। मिमगा। खरोरा। बालोद  
राजनांदगांव। डोंगरगढ़। बेमेतरा। कवर्धा। महासमुंद। सरायपाली। बागबाहरा। धमतरी। कोकेर। कोण्डागांव। उड़ीसा - खरियार रोड। नुआपाड़ा। मध्यप्रदेश - बालाघाट। धामनोद

FOR FRANCHISE ENQUIRY - 91096 47300 | info@sumeetbazaar.com | www.sumeetbazaar.com | CUSTOMER CARE - 89820 44000





## रायपुर साहित्य उत्सव 2026



नया रायपुर पुरखौती मुक्तांगन में तीन दिनों तक काव्य, लेखन, नाट्य, सिनेमा और कला प्रेमियों का हजूम उमड़। इस साहित्य के महाकुंभ में डुबकी लगाने स्कूली बच्चों से लेकर हर वर्ग के लोग पहुंचे। शहरवासियों सहित पूरे देश-प्रदेश से लोग रायपुर साहित्य उत्सव के साक्षी बने। साहित्य उत्सव को लेकर पुरखौती मुक्तांगन में हुई साज-सज्जा भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। हर कोई कैमरे व मोबाइल से एक-एक पल को तस्वीर व वीडियो में कैद कर संजोते दिखा।

पुरखौती मुक्तांगन में रायपुर साहित्य उत्सव आदि से अनादि तक, तीन दिनों तक देश-प्रदेश से पहुंचे साहित्य प्रेमियों का लगा तांता

नंदा जाही का रे, नंदा जाही का रे, नंदा जाही का रे...कमरा अउ खुमरी, अरई तुतारी, अरा ररा तता छो...। पैरी-सोडुर- महानदी, हसदो-अरपा-सिवनाथ, खारुन-इंद्रावती-मांद, वनगे सव काले के हाथ लहूट गे जीवलेवा कोल्हान पूरा में एसो... जैसी काव्य पंक्तियों से पुरखौती मुक्तांगन गूँज उठा। साहित्य उत्सव के तृतीय सत्र में श्यामलाल चतुर्वेदी मंडप पर छत्तीसगढ़ी काव्य पाठ विषय पर प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी कवि मीर अली मीर, रामेश्वर वैष्णव, शशि सुरेंद्र दुबे और रामेश्वर शर्मा ने छत्तीसगढ़ी काव्य पाठ से काव्य प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साहित्य उत्सव के अंतिम दिन काव्य, साहित्य, फिल्म जगत की विभूतियों का जमावड़ा रहा। रविवार का तीन सत्रों में संविधान एवं भारतीय मूल्य, पत्रकारिता और साहित्य, नाट्य शास्त्र और कला परंपरा, सिनेमा और समाज, शासन और साहित्य, काव्य पाठ जैसे विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने विचार रखे। छुट्टी का दिन होने की वजह से बड़ी संख्या में लोग साहित्य उत्सव का हिस्सा बनने पहुंचे। ओपन मंच से लेकर साहित्य उत्सव के चार मंडपों में साहित्यकारों को सुनने लोगों का हजूम उमड़ पड़ा।

# नंदा जाही का रे, नंदा जाही का रे, नंदा जाही का... छत्तीसगढ़ी काव्य से गूँजा साहित्य उत्सव



## पत्रकारिता में तथ्य और साहित्य में भावना प्रधान होती है : डॉ. द्विवेदी

समाज के संदर्भ में हर विचार का स्थान होना चाहिए। पत्रकारिता में तथ्य की प्रधानता होती है, यदि पत्रकारिता भावना प्रधान हो जाएगी तो पत्रकारिता बेईमानी है। वहीं, साहित्य में भावना प्रधान होती है। उन्होंने आगे कहा कि आदर्श व व्यावहारिक मूल्यों की आधार पर बात करें तो आज की पत्रकारिता में राष्ट्र निर्माण की ललक कम

दिखती है। पत्रकारिता में सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने द्वितीय सत्र में लाला जगदलपुरी मंडप पर पत्रकारिता और साहित्य परिचर्चा में अतिथि वक्ता के रूप में अपना वक्तव्य रखा। वहीं, इस परिचर्चा में वरिष्ठ पत्रकार अवधेश कुमार, साहित्यकार गिरिश पंकज और लेखिका एवं पत्रकार स्मिता मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त किए।



## लोग रिस्क लेकर सामाजिक सरोकार से जुड़ा सिनेमा बनाते हैं

हिंदी सिनेमाजगत के निर्देशक अनुराग बसु ने परिचर्चा में भाग लेते हुए सिनेमा को एक ऐसा औजार बताया, जो बिगड़े हुए समाज को शोष दे सकता है। उन्होंने कहा कि लोग रिस्क लेकर ऐसे सिनेमा बनाते हैं। अगर हम सिनेमा से सामाजिक सरोकार की अपेक्षा करते हैं, तो बहुत से लेखक-निर्देशक आज भी इस दायित्व को निभाते आ रहे हैं। बसु ने कहा कि 90 के दशक में जितने सिनेमा बनते थे, आज भी उतने ही बनते हैं, बल्कि फिल्मों की संख्या और अधिक है। आज सिनेमा के पास ज्यादा टेक्नोलॉजी है, लोकन कहानियां भी वही हैं। अब नई कहानियां सामने आ रही हैं, नए विषयों पर फिल्में बन रही हैं। हम यदि किसी लेखक-निर्देशक को बनाई किसी फिल्म को अच्छा या बुरा कहते हैं, तो यह हमारा व्यक्तिगत विचार है, क्योंकि उसने पूरी ईमानदारी से फिल्म बनाई है और उसके हिसाब से वह फिल्म अच्छी बनी है। रायपुर साहित्य उत्सव के अंतर्गत समाज और सिनेमा विषय पर केंद्रित परिचर्चा को सुनने के लिए श्रोता अनिरुद्ध नीरव मंडप में पहुंचे, जिसमें इतिहासकार-पटकथा लेखक एवं निर्माता डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी और सिनेमा लेखक अनंत विजय ने हिस्सा लिया।



## नवयुग में भारत बोध पर विचार-विमर्श शिक्षा और मीडिया की भूमिका पर मंथन

रायपुर साहित्य उत्सव के अंतर्गत श्यामलाल चतुर्वेदी मंडप में रविवार को "नवयुग में भारत बोध" विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। यह कार्यक्रम मावली प्रसाद श्रीवास्तव को समर्पित रहा। परिचर्चा के सूत्रधार प्रभात मिश्रा थे। कार्यक्रम में डॉ. संजीव शर्मा एवं डॉ. संजय द्विवेदी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. संजीव शर्मा ने शिक्षा में भारत बोध की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में भारतीय दृष्टि को समुचित स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति केवल आत्मकल्याण तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व कल्याण की भावना से जुड़ी हुई है। हमारी दृष्टि सभी को अपने जैसा बनाने की नहीं, बल्कि विविधता में एकता की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की भूमिका सामान्य से कहीं अधिक व्यापक है और उसका उद्देश्य व्यक्ति को जाति-पाति तथा संकीर्ण बंधनों से मुक्त कर मानवीय मूल्यों से जोड़ना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में ईश्वर की अनुभूति मानव, जीव-जंतु और प्रकृति सभी में की जाती है। हमारी सांस्कृतिक शब्दावली को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाना चाहिए।



# आज की पीढ़ी छत्तीसगढ़ की रामायण कालीन संस्कृति व साहित्य को भूल गई तीन दिवसीय साहित्य उत्सव के समापन में शामिल हुए राज्यपाल

तीन दिवसीय साहित्य उत्सव के समापन में राज्यपाल रमन डेका मुख्य अतिथि के रूप में पुरखौती मुक्तांगन परिसर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने साहित्य को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि इंटरनेट से भरी इस दुनिया और न्यू जर्नरेशन वाले इस दौर में भी प्रीट और साहित्य का महत्व हमेशा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि साहित्य और कविता में हमेशा एक संदेश होना चाहिए। जिस तरह संगीत के सात स्वर हमें जोड़े रखते हैं, उसी तरह साहित्य का आदान-प्रदान नई बातों को सीखने का अवसर प्रदान करता है। राज्यपाल ने कहा कि पिछले तीन दिनों में इस मंच पर बहुत अच्छी और सार्थक चर्चाएं हुईं। विचारों का खुलकर आदान-प्रदान हुआ। सबने मिलकर साहित्य, समाज और जीवन से जुड़े कई विषयों पर बात की। यह उत्सव सभी साहित्य प्रेमियों के लिए एक यादगार और सीखने वाला अनुभव रहा है। इस दौरान कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन भी हुआ। देश भर से आए नामी प्रकाशकों ने यहां किताबों का बहुत सुंदर संग्रह प्रस्तुत किया। पाठकों को नई-नई किताबें देखने और पढ़ने का अच्छा मौका मिला। यह देखकर अच्छा लगता है कि आज भी लोगों में किताबों के प्रति गहरी रुचि है।



## शहरों व गांवों के स्तर तक भी किया जाना चाहिए आयोजन

श्री डेका ने कहा, साहित्य और संगीत का आदान-प्रदान जरूरी है और ऐसे साहित्य का उत्सव हमेशा होना चाहिए। उन्होंने तीन दिवसीय सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन राज्य के अन्य शहरों एवं गांवों के स्तर तक भी किया जाना चाहिए और यह आयोजन सरकारी न होकर समुदाय की आगे बढ़ने वाले होने चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी छत्तीसगढ़ के रामायण कालीन संस्कृति एवं साहित्य को भूल गई है। हमारा राज्य बहुत सुंदर है और यहां की संस्कृति भी बहुत समृद्ध है। इसका प्रचार-प्रसार होना चाहिए ताकि राज्य के बाहर के लोग यहां के बारे में जान सकें। श्री डेका ने कहा कि शब्दों में बहुत शक्ति होती है। शब्द का रूप बहम है।

## छत्तीसगढ़ में साहित्य की अवरल धारा बहती रही है

समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में साहित्य की अवरल धारा बहती रही है। कालीदास, रविचंद्रनाथ टैगोर जैसे कवि एवं साहित्यकारों का इतिहास भी छत्तीसगढ़ से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी इस तरह के आयोजन अनवरत किए जाते रहेंगे। समापन समारोह की अध्यक्षता प्रख्यात रंगकर्मी, नाट्य लेखक डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने की। फिल्म अभिनेता एवं निर्देशक डॉ. चंद्र प्रकाश द्विवेदी, फिल्म निर्माता-निर्देशक श्री अनुराग बसु विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री पंकज झा और श्री आर. कृष्णा दास, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रस्थाना, राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्री गीमा प्रसाद पाण्डेय, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# शासन का मूल काम स्वतंत्रता, समता और न्याय की स्थापना

रायपुर साहित्य उत्सव के तीसरे दिन वर्तमान में साहित्य सृजन में लगे भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारियों ने 'शासन और साहित्य' के अंतर्संबंधों पर गहरा विमर्श किया। लाला जगदलपुरी मंडप में आयोजित यह सत्र मूर्धन्य छत्तीसगढ़ी साहित्यकार और पूर्व सांसद केयूर भूषण को समर्पित रहा। रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह इस सत्र में सूत्रधार की भूमिका में थे। वरिष्ठ साहित्यकार और सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. सुशील त्रिवेदी ने शासन की भूमिका को स्पष्ट करते हुए कहा कि



शासन का मूल काम स्वतंत्रता, समता और न्याय की स्थापना करना है, जबकि साहित्य आम आदमी के संघर्ष और भावनाओं की अभिव्यक्ति है। उन्होंने

बन जाता है। उन्होंने साहित्य को मनुष्य का 'स्थायी लोकतंत्र' करार दिया। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए साहित्यकार एवं सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. संजय अलंग ने वैश्विक क्रांतियों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि रूस और फ्रांस जैसी बड़ी क्रांतियां साहित्य की कोख से ही जन्मी हैं। शासन लगातार साहित्य से सीखता है और सत्ता में आने के बाद भी उसे साहित्य से ही दृष्टि मिलती है। साहित्यकार एवं सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. इंदिरा मिश्रा ने परिचर्चा में शासन की व्यावहारिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

## गुरु-शिष्य परंपरा और दुर्लभ वाद्यों के संरक्षण पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

साहित्य उत्सव के अंतर्गत श्यामलाल चतुर्वेदी मंडप में रविवार को द्वितीय सत्र के दौरान "नाट्यशास्त्र और कला परंपरा" विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। यह सत्र महान कला संरक्षक राजा चक्रधर सिंह को समर्पित रहा। कार्यक्रम के सूत्रधार राजेश गानोदत्तले रहे। परिचर्चा में इंदिरा कला विश्वविद्यालय, खैराबाद की कुलपति डॉ. लवली शर्मा तथा इंदिरा राष्ट्रीय कला केंद्र से संबद्ध डॉ. सच्चिदानंद जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने नाट्यशास्त्र की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नाट्यशास्त्र अपने आप में एक संपूर्ण शास्त्र है और जहां भी सृजनशक्ति है, वहां नाट्यशास्त्र की उपस्थिति दिखाई देती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहले सीएम हैं जिन्होंने एक साहित्यकार की अंतिम विदाई में उन्हें कंधा दिया। विनोद शुक्ल की अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी ने जिस तरह मावमीनी श्रद्धांजलि दी वह साहित्यकारों के प्रति उनके हृदय में आदर को व्यक्त करता है।  
-अनंत विजय, वरिष्ठ स्तंभकार

मैं 2014 में रायपुर में आयोजित पहले साहित्य उत्सव में भी उपस्थित था, उसके बाद 2026 में आयोजित इस साहित्य महोत्सव में भी सम्मिलित होने का अवसर मिला। इस दौरान मैंने पाया कि इस आयोजन में सभी व्यवस्थाएं हर मानक में उत्कृष्ट रही बल्कि यह देश में होने वाले किसी भी साहित्य महोत्सव की तुलना में श्रेष्ठ है। इसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी, राज्यपाल महोदय तथा आयोजन से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।  
-चंद्रप्रकाश द्विवेदी, प्रख्यात अभिनेता, निर्देशक

रायपुर साहित्य उत्सव का स्केल इतना बड़ा हो गया है कि इसकी मुझे उम्मीद नहीं थी। साहित्य के इस गरिमामय आयोजन के लिए आयोजकों को साधुवाद।  
-अखिलेश शर्मा वरिष्ठ संपादक छनडीटीवी



सार्थक संवाद 2026 का आयोजन रविवार को बिलासपुर में हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न सौंपते विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला एवं हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी।

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आनंद का सच्चा भाव

18 कैपेट रेट - ₹118719/-

(75.00%)

22 कैपेट रेट - ₹144995/-

(91.60%)

24 कैपेट रेट - ₹158276/-

(99.99%)

सोने का भाव\* प्रति 10 ग्राम | 651 Extra

anand Jewels

Pandri, Raipur

## सीएम साय ने कहा-31 मार्च तक छत्तीसगढ़ से खत्म होगा नक्सलवाद

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हरिभूमि के मंच से बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि प्रदेश में नक्सलवाद का खात्मा 31 मार्च 2026 तक जरूर हो जाएगा। प्रदेश के जवानों के हौसले को सलाम करते हुए श्री साय ने कहा कि बस्तर में केंद्र सरकार के साथ मिलकर छत्तीसगढ़

सरकार विकास की संरचनाओं पर ध्यान दे रही है, इसलिए ही वहां की जनता हम पर भरोसा कर रही है और हम उनके लिए काम भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बिलासपुर के विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं होगी। सरकार शिक्षा स्वास्थ्य के साथ ही हवाई सेवा पर भी पूरा ध्यान दे रही है। सीएम साय ने एक और बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना में नई पात्र महिलाओं को जोड़ा जाएगा जिससे की अधिक से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुंच सके। सीएम श्री साय ने यह घोषणाएं हरिभूमि के सार्थक संवाद कार्यक्रम के दौरान की। इस कार्यक्रम का आयोजन बिलासपुर के पं देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में किया गया था। हरिभूमि आईएनएच के प्रधान। संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी ने इस अवसर पर प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

हरिभूमि व आईएनएच के सार्थक संवाद 2026 में डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालियों का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिया जवाब



डॉ. द्विवेदी- आपको जनता और पार्टी दोनों का विश्वास मिलता है, यह सामंजस्य आखिर कैसे बिटाते हैं?

मुख्यमंत्री- जनता के बीच लगातार रहने और उनके सुख-दुख में काम आने के कारण उनका प्यार शुरू से मिलता रहा है। यही कारण

रहा की पंच से लेकर सरपंच और फिर विधायक और सांसद तक का सफर तय किया और अब मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस बीच पार्टी ने जो भी दायित्व सौंपा उसे ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास किया और उम्मीद पर खरा ►►शेष पेज 5 पर

पंच से मुख्यमंत्री तक

मुख्यमंत्री से जब राजनीतिक सफर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी मार्मिक कहानी बताई। बचपन में पिता का साया छिन गया। बड़े पुत्र के नाते मेहनत कर खेती किसानी में ध्यान लगाया। पढ़ाई लिखाई की। फिर बड़े होने पर लोगों ने कहा गांव के पंच बन जाओ। इसके बाद विधायक भी बन गया। जनता का प्यार है जो लगातार चार बार सांसद भी बना और गांव के करीब का बेटा मुख्यमंत्री भी बन गया। सवाल के जवाब में उन्होंने कहा इस पार्टी में चायवाला भी प्रधानमंत्री बन सकता है।

### गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचितकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

#### अवकाश

इस अवसर पर 26 जनवरी सोमवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 28 जनवरी बुधवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

### पहली बार तिरंगा लहराएगा बस्तर के 41 गांव में

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बस्तर रेंज के 41 गांवों में पहली बार राष्ट्रीय पर्व का आयोजन किया जा रहा है। ये वह गांव हैं, जो दशकों तक राष्ट्रीय आयोजनों से वंचित रहा। बीते कुछ महीनों में इन क्षेत्रों में स्थापित सुरक्षा शिविरों ने स्थानीय जनता के बीच विश्वास और अपनत्व की भावना को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

#### सुकमा जिले के 10 गांव में मनेगा तिरंगा पर्व

बस्तर संभाग के सुकमा जिले में 10 ऐसे गांव हैं, जहां सीआरपीएफ के कैम्प 11 सितंबर से 17 दिसंबर 2025 को खोले गए हैं। यहां भी नक्सली खोफ के चलते कमी भी तिरंगा नहीं लहराया था। नक्सलियों के फरमान से काले झंडे फहराए जाते थे।

#### 18 सुरक्षा कैम्प

नारायणपुर जिले में खोले गए 18 कैम्प 1 सितंबर 2025 से 14 जनवरी 2026 तक खोले गए हैं। ओरछ थाना क्षेत्र के एडजुम, इदवाया, आदिर, कुडमेल, पदमेता, लंका, परियादी और अडेगपार, सोनपुर थाना क्षेत्र के कोगे, सितरम, तोके, काकुर, बालेबेड़ा और मंदोड़ा कोठकमेता थाना के कोडेनार, जटवर तथा बाड़ापेडा में कैम्प खुलने से राष्ट्रीय पर्व पहली बार मनेगा।

AM/NS  
INDIA

ArcelorMittal Nippon Steel India

आईएनएस सूरत  
आईएनएस विशाखापट्टनम  
आईएनएस माहे

## बनाऊंगा मैं, बनेगा भारत।

हमारे साहस से जब लहरें टकराती हैं,  
तो निडर हो कर आगे बढ़ता है भारत।

भारत के बेड़े को मज़बूत बनाते हैं सामर्थ्य, प्रतिभा और हमारे स्टील की ताकत, जो कठिन से कठिन तूफान का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि भारतीय नौसेना के जहाज़ों के निर्माण में AM/NS India के हार्ड-ग्रेड स्टील का उपयोग किया गया है। यह प्रमाण है उस गौरवशाली भविष्य का, जहाँ देश की वीरता और AM/NS India की क्षमता एक साथ मिलकर भारत को आगे ले जा रहे हैं।

SMARTER STEELS  
BRIGHTER FUTURES

The above images are a creative visualisation of INS Surat, INS Mahe and INS Visakhapatnam.



# भारत के 77 वें गणतंत्र दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएं

आज हम देश के गणतंत्र का पर्व मना रहे हैं। यह दिन उन स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान का स्मरण करने का अवसर है, जिनकी बदौलत हमें गणतंत्र प्राप्त हुआ। हमारे पूर्वजों ने हमें एक ऐसा संविधान दिया है, जो अंत्योदय के भाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, समानता और विकास पहुँचाने का मार्ग दिखाता है।

आज यदि भारतीय लोकतंत्र विश्व में सम्मान के साथ खड़ा है, तो इसके पीछे संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने वाले हमारे वीर सपूतों का अमूल्य योगदान है। देश की सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ नक्सलवाद जैसी आंतरिक चुनौतियों से मुकाबला करते हुए हमारे सुरक्षा बल लोकतंत्र को सशक्त बना रहे हैं। इस अवसर पर हम सभी वीर जवानों को सादर नमन करते हैं।

-श्री विष्णु देव साय  
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



Rapur

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO

DPRChhattisgarh

www.dprcg.gov.in

ASP  
अज्ञान समाप्त  
समृद्धि जन्म देता है

चन्द्रशेखर आजाद

संस्थापक : भीम आर्मी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष  
आजाद समाज पार्टी (कां.)

विनय रतन सिंह

राष्ट्रीय अध्यक्ष - भीम आर्मी



सुनील बैसिया

प्रदेश प्रवक्ता - भीम आर्मी



राजकुमार जांगड़े

प्रदेश अध्यक्ष - भीम आर्मी



ओम कुरे

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य  
- भीम आर्मी

हम भारत के लोगों ने गणतंत्र को किस रूप में पिछले सात से आठ दशक तक देखा, समझा और इसके प्रति शिक्षित हुए ? जो कि आजादी की लड़ाई में आजादी के प्रति सोचकर लड़े थे ? पर आज हम आजादी के बाद भारत के लोगों को ही इस देश और समाज के शिल्पकार बनाकर हर भारतीय को जिम्मेदारी भारत के संविधान द्वारा गणतंत्र लोकतंत्र के रूप में जिम्मेदारी प्रदान किया गया पर आज हम लोग देश और लोकतंत्र के प्रति शिक्षित नहीं हुए और अब 77 साल के बाद लोकतंत्र के पवित्र मंदिर लोकसभा और विधानसभा में लगभग 60 से 70% ऐसे लोगों को चुनकर भेज रहे हैं जिन पर कोई न कोई आरोप लगा है या प्रकरण चल रहा है।

ये कैसी हमारी लोकतंत्र और देश के प्रति पहरेदारी / जिम्मेदारी है ? जबकि लोकतंत्र हमें देश के प्रतिभावान और साफ छवि वाले लोगों को चुनने का दायित्व और नैतिक जिम्मेदारी है।

इसी तरह से लोकतांत्रिक जिम्मेदारी को निभाकर अपने देश को विभिन्न प्रतियोगिताओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, आधुनिक खेती में विकसित देशों जैसी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। जिन प्रतियोगिताओं में आधुनिक युग में पूरा विश्व नई ऊंचाइयों को छू रहा है वहां हमारा भारत ओलिंपिक खेलों में स्वर्ण पदक गिनती के प्राप्त कर पाता है ऐसा लगता है मानो दूसरे देशों से 200 साल पीछे चल रहे हैं।

अतः हम समस्त देशवासियों से निवेदन करते हैं, कि आइए हम सब इस देश के सजग प्रहरी और सुशिक्षित देश के अत्याधुनिक व्यवस्था को सुन्दर बनाने वाली स्वतंत्र लोकतांत्रिक शिल्पकार बनकर भारत को विश्व का सबसे सुन्दर देश बनाने का संकल्प लें।

**इसी विश्वास के साथ आप सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाईयां।**

हमारी सोच

भीम आर्मी (भारत एकता मिशन) आजाद समाज पार्टी का संकल्प

- छत्तीसगढ़ में सभी को एक समान शिक्षा देने का संकल्प
- शासकीय सेवा में कार्यरत (दैनिक वेतन भोगी, मितानिन) आदि को न्यूनतम 30,000 मासिक वेतन का संकल्प
- प्रधानमंत्री आवास योजना में न्यूनतम 5 लाख रुपए देने का संकल्प ताकि कर्ज मुक्त घर बने
- सभी ग्राम पंचायत में सरकारी चरवाहा नियुक्त करना जिससे गौ माता का संरक्षण हो
- छत्तीसगढ़ प्रदेश में 30 लाख युवाओं को शासकीय सेवा में रोजगार उपलब्ध कराना
- किसानों को सरकारी गाइडलाइन के अनुसार लोन उपलब्ध कराना
- छत्तीसगढ़ की कृषि जमीन को विकसित कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना तथा किसानों की आय चार गुना करना

जय भीम  
जय संविधान

मनोज बंजारे

प्रदेश उपाध्यक्ष भीम आर्मी, छत्तीसगढ़

मो.: 98279-58613

संगठित रहो... शिक्षित बनो... संघर्ष करो...

संजु भट्टनागर  
प्रदेश सचिव  
भीम आर्मीखिलन प्रसाद साहू  
प्रदेश महासचिव  
भीम आर्मीतुलश दास महंत  
महासचिव, भीम आर्मीपिताम्बर जांगड़े  
कोषाध्यक्षउदय चरण बंजारे  
प्रदेश कार्यकारिणी  
भीम आर्मीसुकुराज कुर्करे  
रायपुर संभाग अध्यक्षहेमन्त आदिले  
प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

घुटने का दर्द, साइटिका, गठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, सांघवात और मोच में तेज असर



साइड इफेक्ट रहित

- पंकज मेडीकोज, बिलासपुर 6261187686
- राजनांदगांव - महेश एजेंसी 700616262
- तापचंद थितलांगीया & कं. 9907420754
- नयानी एजेंसी, रायपुर 7746032260

सभी प्रमुख मेडीकल्स में उपलब्ध

Customer Care : 1800 120 3133

Trade Enquiry : +91 9112637000, 9823286830, www.pradikshaherbals.com



आयुर्वेदिक ताकत,  
दर्द से तुरंत राहत

MRP  
₹120/-

प्रदिक्षा  
आर्थो ऑयल



## जहां पहुंचना आसान नहीं, वहां 37 साल से सेवा, डॉ. दंपती समेत छग के तीन को पद्मश्री

अलका यागिनिक और झारखंड के पूर्व सीएम शिबू को पद्म भूषण

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली/जगदलपुर

केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी।

छत्तीसगढ़ से तीन समेत देश की 131 हस्तियों को पद्मश्री से नवाजा गया है। छत्तीसगढ़ से समाजसेविका बुधरी ताती और चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में कार्यरत डॉ. रामचंद्र त्र्यंबक गोडबोले और उनकी पत्नी सुनीता गोडबोले को सम्मान मिला है। बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता धर्मेन्द्र समेत पांच को पद्म विभूषण दिया गया। इसके अलावा शेष पेज 5 पर

### छत्तीसगढ़ की सम्मानित हस्तियां

#### बस्तर की 'बड़ी दीदी' बुधरी ताती

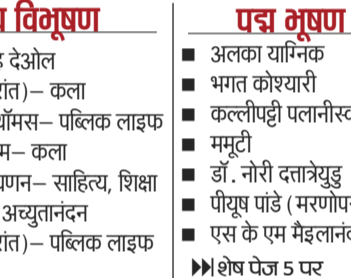
द्वैतेवाड़ा के हौरानगर गांव में महिला उत्थान और समाज सेवा के लिए बुधरी ताती को पद्मश्री अवार्ड दिया जाएगा। 1984 से लगातार वनोदय क्षेत्र में नशामुक्ति, साक्षरता और शेष पेज 5 पर

पद्मश्री अवार्ड दिया जाएगा। 1984 से लगातार वनोदय क्षेत्र में नशामुक्ति, साक्षरता और शेष पेज 5 पर



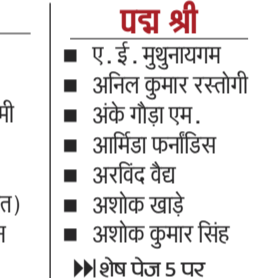
#### दुर्गम इलाकों में दे रहे सेवा

डॉ. रामचंद्र त्र्यंबक गोडबोले और उनकी पत्नी सुनीता गोडबोले को चिकित्सा के क्षेत्र में पद्मश्री अवार्ड दिया जाएगा। पति-पत्नी पिछले 37 वर्षों से अधिक समय से बस्तर और अबुलमाद जैसे दुर्गम आदिवासी इलाकों में मुफ्त चिकित्सा सेवा दे रहे हैं। बता दें कि डॉ. रामचंद्र त्र्यंबक गोडबोले शेष पेज 5 पर



#### साय बोले- प्रदेश का नाम किया रोशन

छत्तीसगढ़ के लिए स्वर्णिम क्षण बस्तर की समाजसेविका, स्नेह और ममता की प्रतिमूर्ति 'बड़ी दीदी' के नाम से विख्यात श्रीमती बुधरी ताती तथा जनजातीय अंचलों में निःस्वार्थ सेवा के जीवंत प्रतीक डॉ. रामचंद्र गोडबोले एवं सुनीता गोडबोले का पद्म श्री सम्मान के लिए चयनित शेष पेज 5 पर



#### पद्म विभूषण

- धर्मेन्द्र सिंह देओल (मरणोपरांत) - कला
- के. टी. थॉमस - पब्लिक लाइफ
- एन. राजम - कला
- पी. नारायणन - साहित्य, शिक्षा
- वी. एस. अच्युतानंदन (मरणोपरांत) - पब्लिक लाइफ

#### पद्म भूषण

- अलका यागिनिक
- भगत कोश्यारी
- कल्लीपट्टी पलानीस्वामी
- ममुटी
- डॉ. नोरी दत्तात्रेयुडु
- पीयूष पांडे (मरणोपरांत)
- एस के एम मैदलानंदन

#### पद्म श्री

- ए. ई. मुथुनायगम
- अनिल कुमार रस्तोगी
- अंके गोड़ा एम.
- आर्मिंडा फर्नांडिस
- अरविंद वैद्य
- अशोक खांडे
- अशोक कुमार सिंह

## 10 अफसरों को सराहनीय, एसआई को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक

हरिभूमि न्यूज रायपुर

गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुलिस अफसरों को दिए जाने वाले प्रतिष्ठित पदकों की घोषणा कर दी गई है। इस वर्ष राज्य के 11 पुलिस अफसरों को उनके उत्कृष्ट और सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जा रहा है। राज्य के जिन पुलिस अफसरों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए मेडल देने की घोषणा की गई है, उनमें एसएसआई पुलिस लाइन धमतरा के रामअवतार सिंह राजपूत को राष्ट्रपति शेष पेज 5 पर



रामगोपाल गर्ग, शशिमोहन सिंह, श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, राजश्री मिश्रा, निवेदिता पाल, रामअवतार सिंह राजपूत, मनीषा टाकुर रावटे, तारकेश्वर पटेल, उनेजा खातून अंसारी, जयलाल मरकाम, हजारी लाल साहू

### अनसुने नायकों को मिला सम्मान

#### 'पीपुल्स पद्म' की भावना के साथ 45 विभूतियों को पद्मश्री

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

पद्म पुरस्कार-2026 की घोषणा के साथ ही इस वर्ष एक बार फिर 'पीपुल्स पद्म' की भावना को केंद्र में रखा गया है। इस बार के पद्म पुरस्कार उन साधारण भारतीयों को समर्पित हैं, जिन्होंने असाधारण परिस्थितियों में असाधारण योगदान देकर समाज और राष्ट्र की सेवा की है। देश के कोने-कोने से आए ये 'अनसुने और अनूठे' नायक शेष पेज 5 पर

### गुप कैप्टन शुभांशु को मिलेगा अशोक चक्र

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

वायुसेना के गुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को सोमवार को भारत के सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार



982 कर्मियों को वीरता व सेवा पदक गणतंत्र दिवस 2026 के उपलक्ष्य में पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस (तथा 'करेशनल सर्विसेज' (सुधारालोक सेवा) के कुल 982 कर्मियों को वीरता और सेवा पदकों से सम्मानित किया गया है। बताया जाता है, इन सम्मानों में 125 वीरता पदक शामिल हैं।

सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार मेजर अर्शदीप सिंह, नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा और गुप कैप्टन प्रशांत बालाकृष्णन नायर को कीर्ति चक्र मिलेगा।

## राष्ट्र के नव-निर्माण में, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु संकल्पबद्ध

# 77 वें गणतंत्र दिवस

आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रतिबद्ध

वर्ष 2024-25 की प्रमुख उपलब्धियाँ

- 225.17 मिलियन टन कोयला उत्पादन
- 210.41 मिलियन टन कोयला प्रेषण
- 158.02 मेगावाट ऊर्जा आपूर्ति
- 337.39 मिलियन क्यूबिक मीटर अविभार निकासी

वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड स्तर पर कोयला उत्पादन और आपूर्ति करके हम देश की विकास गति को और तेज़ कर रहे हैं।

### महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

(कोल इंडिया लिमिटेड की एक अनुपम कंपनी)

जागृति विहार, बुर्ला - 768020, जिला - सप्तलपुर, ओडिशा

www.mahanadicoal.in

## भारत है हमारे नाम में और हमारे दिल में

एक ऐसे गणतंत्र का उत्सव हम मना रहे हैं जो एकजुटता से हमें सुरक्षित, निश्चित और सशक्त रखता है।

# 77 वें गणतंत्र दिवस 2026

प्रबंधक के तहत संपत्ति

₹57.22 लाख करोड़\*

कर पश्चारा लाभ

₹21,040 करोड़\*

कुल प्रीमियम आय

₹2,45,680 करोड़\*

अधिकर्ता संख्या

14.87 लाख

(\* वक्ता 30 सितंबर 2025)

भारतीय जीवन बीमा निगम  
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

**चिंतन**

**संविधान, संप्रभुता, लोकतांत्रिक शक्ति का उत्सव है गणतंत्र दिवस**

**भारत** के लोकतांत्रिक इतिहास में 26 जनवरी वह स्वर्णिम दिन है, जब देश ने औपनिवेशिक अतीत से पूरी तरह बाहर निकलकर स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। वर्ष 2026 में भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस पूरे गौरव और भव्यता के साथ मना रहा है, जो न केवल संविधान की दीर्घायु का उत्सव है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और निरंतर सुदृढ़ होती संस्थाओं का भी प्रमाण है। यह दिन केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और देश ने स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। यह संविधान ही भारत की आत्मा है, जिसने विविधताओं से भरे इस विशाल देश को एकता के सूत्र में बांधे रखा। गणतंत्र दिवस भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों का प्रतीक है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सत्ता का वास्तविक स्रोत जनता है और शासन संविधान के दायरे में रहकर ही चलाया जाना चाहिए। इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह और भी विशेष है क्योंकि भारत न केवल आंतरिक रूप से मजबूत लोकतंत्र के रूप में उभरा है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी उसकी भूमिका लगातार सशक्त होती जा रही है। गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि को आमंत्रित करने की परंपरा भी भारत की अंतरराष्ट्रीय सोच और कूटनीतिक दृष्टि को दर्शाती है। यह परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितना गणतंत्र स्वयं है। 1950 में, जब पहली बार गणतंत्र दिवस मनाया गया, तब इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो भारत के पहले मुख्य अतिथि थे। यह स्पष्ट संकेत था कि भारत अपनी आजादी को केवल घरेलू उत्सव नहीं, बल्कि वैश्विक सहयोग और मित्रता के अवसर के रूप में देखता है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि पहली गणतंत्र दिवस परेड कर्तव्य पथ (तत्कालीन राजपथ) पर नहीं, बल्कि इरविन स्टेडियम में आयोजित हुई थी, जिसे आज नेशनल स्टेडियम के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1955 में परेड को राजपथ स्थानांतरित किया गया, जिसे आज कर्तव्य पथ कहा जाता है। 77वें गणतंत्र दिवस पर भारत एक बार फिर अपने उन सच्चे नायकों को सम्मानित कर रहा है, जो देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए परिस्थिति में डटे रहते हैं। इस वर्ष 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़े कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह संख्या अपने आप में बताती है कि राष्ट्र अपने रक्षकों के योगदान को कितनी गंभीरता से स्वीकार करता है। इसके अतिरिक्त, नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से जुड़े 35 कर्मियों और पूर्वोत्तर भारत में तैनात 5 कर्मियों को भी वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा है। यह दिखाता है कि देश के हर कोने में तैनात सुरक्षाबल समान साहस और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कुल मिलाकर, इस बार का गणतंत्र दिवस भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, संवैधानिक मूल्यों और सुरक्षा बलों की वीरता का भव्य संगम है। यह दिन हमें गर्व करने का अवसर देता है, साथ ही यह जिम्मेदारी भी याद दिलाता है कि एक नागरिक के रूप में हम संविधान, राष्ट्र और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाएं। गणतंत्र दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और राष्ट्रनिर्माण का प्रेरक अवसर है।

**गर्व**

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी



**भारत गणतंत्र तुम्हारी जय हो!**

**ह**म भारत के लोग 26 जनवरी 2026 को सुबह अपने 77वें गणतंत्र का उत्सव मना रहे हैं। यह समय हमें आंकलन करने की अपेक्षा करता है कि इतने दीर्घायु वाले भारत गणतंत्र का 'जन-गन-मन' आज किन अनुभूतियों के साथ जी रहा है। यह देश का सौभाग्य है कि हमारे पास सबसे बड़ी युवा आबादी है। इस देश की महिलाएं विगत 77 वर्षों में पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं से लड़कर मुख्यधारा में सम्मिलित हो चुकी हैं। पहले की अपेक्षा बाल शिशु मृत्यु दर कम हुई है। कोशलयुक्त शिक्षा व्यवस्था अपना आकार ले चुकी है और स्टार्टअप के माध्यम से अनेक युवा अपने रोजगार सृजित कर दूसरों को रोजगार देने में सक्षम हुए हैं। यह इस देश की और भारतीय गणतंत्र की खूबसूरती है कि सामाजिक न्याय पहले की अपेक्षा अब ज्यादा दिखने लगा है। एलजीबीटीक्यू ग्रुप, वृद्धजन, दिव्यांगजन, अल्पसंख्यक, आदिवासी लोग और चुपमूट जातियों के लोगों में आत्मसम्मान बढ़ा है। जागरूकता बढ़ी है। शिक्षा का स्तर बढ़ा है। मानव विकास के सूचकांकों में वृद्धि हुई है। जीवन स्तर ऊंचा हुआ है। अब किसान की आय में वृद्धि हुई है। हमारे आयत-निर्यात और वस्तुविक्रम स्तर पर राजनयिक संबंधों में कभी असहजता जो बढ़ रही थी, उसमें अब सुगमता से डिप्लोमैटिक लेवल पर पॉलिसीज तैयार हुई है। देश ने द्विपक्षीय संबंधों और बहुपक्षीय संबंधों में विश्वास को जीता है और बहुत से देशों के साथ मधुर संबंध स्थापित हुए हैं। भारतीय संविधान की यह ताकत है कि भारत गणतंत्र इतना सशक्त व समृद्ध तरीके से अपने 77 वर्ष का समय पूर्ण करके कई नई पहल करने के लिए सक्षम बन सका है। देश में विशेष सन्देश सबके मन के भीतर है कि हम भारतीय गणतांत्रिक व्यवस्था के साथ जीकर 2047 तक विकसित भारतीय गणतंत्र की ओर अग्रसर हों और हमारे भारतीय नागरिकों में स्वबोध, गौरवबोध की स्थापना हो। हमारे देश के महान स्वाधीनता सेनानियों, संविधान निर्माताओं और भारत के निर्माणकर्ताओं को इस पावन अवसर पर हमें स्मरण करना है। उन खिन्नों को स्मरण करना है जिन्होंने उन दिनों गांधी, सुभाष, पटेल, सी. राजगोपालाचारी, राजेंद्र प्रसाद, नेहरू आदि के साथ भारतीय अस्तित्व के लिए संघर्ष किया और भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद जैसे त्यागी, आत्मबलिदानी व साहसी लोगों के प्रार्थों के आहुति से प्रेरित होकर देश की स्वाधीनता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हममें से अधिकांश लोग अजीजन बर्बाद के बारे में नहीं जानते, जो 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की बहादुर नायिका थीं। पेशे से नर्तकी-तवायफ होने के बावजूद उन्होंने देशभक्ति में जीवन लगा दिया। उन्होंने लगभग 400 महिलाओं का गुप्त समूह, जो अंग्रेजों से जानकारी जुटाता और क्रांतिकारियों तक पहुंचाता। इसके अलावा वे हथियार चलाने और सैनिकों की मदद में भी माहिर थीं। विद्रोह के दौरान उन्हें ब्रिटिशों ने पकड़ लिया। उन्होंने अपने साथियों का राज नहीं खोला और शर्तें अस्वीकार की। जनरल हैवलॉक ने उन्हें तोप से उड़ा दिया। उनके इस साहस और योगदान के कारण नानासाहेब ने उन्हें 'बहन समान सम्मान दिया था। उनका साहस आज भी महिलाओं की वीरता और स्वतंत्रता प्रेम की मिसाल है। ऐसी वीरगनानाओं को इस गणतंत्र पर हमें स्मरण करना है। हमारी आने वाली पीढ़ी की मांग के मुताबिक उनके सपनों के हिसाब का भारत बनाना जरूरी होगा लेकिन यह फिक्र तभी कम होगी, जब हमारी इच्छाशक्ति, विजन-प्लान व लीडरशिप सशक्त, पारदर्शी व गंभीर पहल करेगी। वास्तव में मुख्यधारा से लेकर हाशिये के समाज तक योजनाओं का पूर्णतया नियोजन व प्रतिभागिता व लाभांश बनाने की चेष्टा होगी। इस गणतंत्र पर हम अपने पड़ोसियों के दुःख-सुख में सहभागी होने की शपथ लें। सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए तत्पर हो और वैश्विक स्तर पर ख्याति व उपलब्धियों के शानदार प्रदर्शन के लिए हर भारतीय मन तैयार हो तो देश अपने गणतंत्र की जयघोष खुद करने या प्रचारित करने के लिए नहीं सोचेगा अपितु पूरी दुनिया भारतीय गणतंत्र की जय-जयकार करेगी। सबसे अच्छी बात यह है कि भारत निराश नहीं है। भारत निरंतर अपने विकास के कीर्तिमान स्थापित भी कर रहा है। स्पेस, टेक्नोलॉजी, डिजिटल क्रांति के लिए भारत को संपूर्ण विश्व में सम्मान प्राप्त है। अब तक की भारतीय संवैधानिक यात्रा दुनिया के अनेक देशों की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उत्तम मानी जा रही है, इसलिए आज आशावादी देश भारत अपने देश के गणतांत्रिक मूल्यों के साथ हिमालय सा मस्तक ऊंचाकर आगे बढ़ने को तैयार है। देश के नागरिकों को अपने कर्तव्य का वैयक्तिक व सामूहिक स्तर ज्यादा समझने की आवश्यकता है। हम सब कामना करें कि इस 77वें गणतंत्र पर भारत गणतंत्र तुम्हारी जय हो! यह देश निर्भय हो। इस भावना के साथ ही हम अपने गणतांत्रिक स्वबोध को भी बचा सकेंगे।

(लेखक पंजाब विवि में प्रेस प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

**चौधरी मित्रसेन आर्य : वेद, पुरुषार्थ और संस्कार से गढ़ा जीवन**

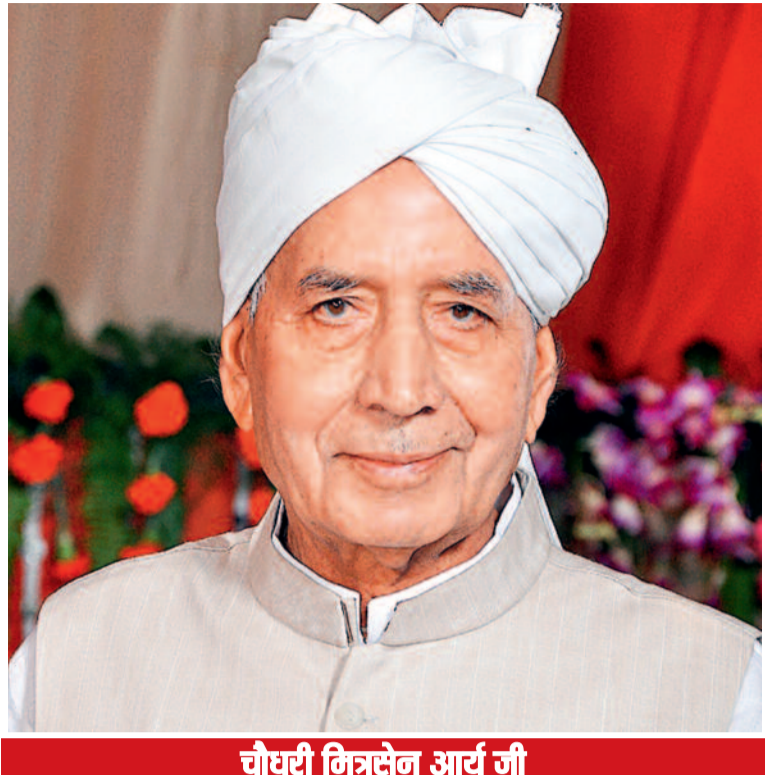
इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी स्मृति केवल अतीत नहीं होती, बल्कि वर्तमान के दर्शन और भविष्य को दिखा देने का कार्य करती है। इतिहास कुछ लोगों को जन्म देता है और कुछ लोग इतिहास को दिखा देते हैं। चौधरी मित्रसेन आर्य जी ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। 27 जनवरी 2011 को उन्होंने 79 वर्ष की आयु में भौतिक शरीर का परित्याग किया, किंतु वेद जिस कीर्तिमय शरीर की बात करते हैं, वह आज भी जीवित है, प्रेरक है। चौधरी मित्रसेन आर्य जी ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। 27 जनवरी 2011 को उन्होंने 79 वर्ष की आयु में भौतिक शरीर का परित्याग किया, किंतु वेद जिस कीर्तिमय शरीर की बात करते हैं, वह आज भी जीवित है, प्रेरक है। चौधरी मित्रसेन जी की पुण्यतिथि केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। आज, उनकी पुण्यतिथि पर यह कहना उचित होगा कि चौधरी साहब हमारे बीच शरीर से अनुपस्थित हैं, परंतु विचारों से हर जगह उपस्थित हैं। 15 दिसंबर 1931 को हिसार जिले के खांडाखेड़ी गांव में जन्मा यह बालक उस कालखंड की उपज था, जब देश स्वतंत्रता की पीड़ा और स्वप्न दोनों को एक साथ जी रहा था। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत के बाद देश की आत्मा जाग चुकी थी। गांव-गांव, घर-घर स्वतंत्रता का स्वर गूंज रहा था। ऐसे वातावरण में जन्मे मित्रसेन जी को देशभक्ति विरासत में मिली। उनके पिता चौधरी शीशराम किसान होने के साथ-साथ आर्य समाज की विचारधारा के संवाहक थे। महर्षि दयानंद सरस्वती के 'विचार, आर्य समाज की धर्मदाएं व राष्ट्रप्रेम' इन तीनों का गहरा संस्कार बालक मित्रसेन के व्यक्तित्व में आरंभ से ही रच-बस गया।

न जायते प्रियते वा कदाचित् (भगवद्गीता) अर्थात् आत्मा न जन्म लेती है, न मरती है।

यह श्लोक केवल आध्यात्मिक सत्य नहीं, बल्कि चौधरी मित्रसेन जी के जीवन का यथार्थ है। उनका शरीर भले ही नश्वर था, पर उनका कर्म, उनका विचार और उनका पुरुषार्थ अमर है। इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी स्मृति केवल अतीत नहीं होती, बल्कि वर्तमान के दर्शन और भविष्य को दिशा देने का कार्य करती है। इतिहास कुछ लोगों को जन्म देता है और कुछ लोग इतिहास को दिशा देते हैं। चौधरी मित्रसेन आर्य जी ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। 27 जनवरी 2011 को उन्होंने 79 वर्ष की आयु में भौतिक शरीर का परित्याग किया, किंतु वेद जिस कीर्तिमय शरीर की बात करते हैं, वह आज भी जीवित है, प्रेरक है। चौधरी मित्रसेन जी की पुण्यतिथि केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। आज, उनकी पुण्यतिथि पर यह कहना उचित होगा कि चौधरी साहब हमारे बीच शरीर से अनुपस्थित हैं, परंतु विचारों से हर जगह उपस्थित हैं। 15 दिसंबर 1931 को हिसार जिले के खांडाखेड़ी गांव में जन्मा यह बालक उस कालखंड की उपज था, जब देश स्वतंत्रता की पीड़ा और स्वप्न दोनों को एक साथ जी रहा था। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत के बाद देश की आत्मा जाग चुकी थी। गांव-गांव, घर-घर स्वतंत्रता का स्वर गूंज रहा था। ऐसे वातावरण में जन्मे मित्रसेन जी को देशभक्ति विरासत में मिली। उनके पिता चौधरी शीशराम किसान होने के साथ-साथ आर्य समाज की विचारधारा के संवाहक थे। महर्षि दयानंद सरस्वती के 'विचार, आर्य समाज की धर्मदाएं व राष्ट्रप्रेम' इन तीनों का गहरा संस्कार बालक मित्रसेन के व्यक्तित्व में आरंभ से ही रच-बस गया।

**विपत्ति ने छीना बचपन, पर नहीं छीन सकी संकल्प**

जीवन ने बहुत जल्दी मित्रसेन की परीक्षा ले ली। मात्र दस वर्ष की आयु में पिता की आंखों की रोशनी चली गई। इसके बाद परिवार से चाचाओं की छत्रछाया भी उठ गई। यह ऐसा समय था जब अधिकांश बच्चे खेल रहे होते थे, लेकिन मित्रसेन जी को इस उम्र में खेत संभालने पड़े। यहां से शुरू होती है वह कहानी, जो बताती है कि संकट यदि च्छाशाक्ति से टकराए, तो इतिहास बनता है। कम उम्र में ही मित्रसेन जी यह समझ चुके थे कि केवल परंपरागत खेती पर निर्भर रहकर भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता। इसे देखते हुए उन्होंने संकल्प लिया और तकनीकी ज्ञान को अपनाया। उन्होंने रोहतक में लेथ और इंजन बोरिंग मशीन का काम सीखा। ये उनकी दूरदर्शिता ही थी कि एटलस साइकिल, सोनीपत से लेकर रोहतक बिजलीघर और उदयपुर के कारखानों तक, हर जगह उन्होंने केवल नौकरी नहीं की, बल्कि अनुभव संजोया। 1955 में जब रोहतक में उन्होंने अपना लेथ एंड इंजन बोरिंग मशीन का कारखाना स्थापित किया, तब यह केवल एक उद्योग नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता की घोषणा थी।



**चौधरी मित्रसेन आर्य जी**  
**जन्म** : 15 दिसंबर 1931, खांडाखेड़ी (हिसार)  
**प्रेरणा स्रोत** : वेद, महर्षि दयानंद सरस्वती  
**पहचान** : समाजसेवी, वेदानुगामी व उद्योगपति  
**विशेष योगदान** : आदिवासी-वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा व संस्कार का रोपण, वैदिक साहित्य प्रकाशन  
**निर्वाण** : 27 जनवरी 2011

**राष्ट्रप्रेम: हिंदी सत्याग्रह में जेल गए**

आमतौर पर देखा जाता है कि जैसे-जैसे उद्योग बढ़ता है, सामाजिक सरोकार घटते जाते हैं। लेकिन चौधरी मित्रसेन इस प्रवृत्ति के अपवाद थे। एक ओर उनका औद्योगिक विस्तार उड़ीसा के बड़विल से होते हुए देश-विदेश तक पहुंचा, तो दूसरी ओर वे समाजसेवा में भी उतने ही सक्रिय रहे। 1957 के हिंदी सत्याग्रह में वे जेल गए जो यह दर्शाता है कि उनके लिए राष्ट्रप्रेम केवल भाषण नहीं, व्यवहार था।

**परिवार में लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का समन्वय**

चौधरी मित्रसेन का जीवन इस मिथक को तोड़ता है कि उद्योग और आध्यात्म साथ नहीं चल सकते। उनके परिवार में लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का समन्वय दिखता है। पंच महायज्ञ, ईश्वर उपासना, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना यह सब आज भी उनके परिवार की पहचान है। चौधरी मित्रसेन जी ने आर्य मर्यादाओं के अनुरूप अपने गृहस्थ आश्रम का निर्वाह किया। उन्होंने अपने घर में जिन मर्यादाओं और संस्कारों की प्रतिष्ठा की, वे आज भी उनके परिवार की जीवनशैली में जीवंत रूप से विद्यमान हैं। उनका घर केवल निवास स्थान नहीं, बल्कि एक जीवंत इतिहास है जहां आर्यावर्त की गौरवगाथा दीवारों पर अंकित है।

**समाजहित जीवन का उद्देश्य**

“**कृपवन्तो विश्वमार्यम्**।” (ऋग्वेद) अर्थात्-संपूर्ण विश्व को श्रेष्ठ और उदात्त बनाना ही मानव का कर्तव्य है।

चौधरी मित्रसेन जी का जीवन इस वैदिक भाव का सजीव उदाहरण था। उन्होंने समाजहित को अपने जीवन का उद्देश्य मानते हुए समय, पुरुषार्थ और धन तीनों का समर्पण निरंतर भाव से किया। उनके चिंतन और आचरण में बुद्धिमत्ता, पुरुषार्थ, साहस तथा उदारता का ऐसा समन्वय दृष्टिगोचर होता है, जिसने समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अनुरूपणीय मानदंड स्थापित किए। यद्यपि चौधरी मित्रसेन जी की नश्वर देह को इस संसार से विदा हुए 15 वर्ष बीत हो चुके हैं, किंतु उनके द्वारा स्थापित औद्योगिक उपक्रम, शिक्षण संस्थान, गुरुकुल तथा विविध सामाजिक न्यास आज भी सक्रिय हैं और यह अहसास करवाते हैं कि चौधरी साहब हमारे आसपास ही हैं। वे अपने कीर्तिमय जीवन से सतत मार्गदर्शन करते हैं। उनके विचार आज भी इन अमृतवचनों के रूप में समाज को दिशा देते हैं कि सफलता का मूलमंत्र आस्तिक भाव से ईश्वरीय सत्ता को स्वीकार करते हुए, नेक इशदों और हंसते-हंसते पुरुषार्थ करना है।

**शिक्षा संस्थान और उद्योग**

चौधरी मित्रसेन द्वारा अनेक गुरुकुल विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई। शिक्षा को समाज निर्माण का आधार मानते हुए उन्होंने इन संस्थानों के माध्यम से संस्कारयुक्त और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा दिया। वर्तमान में चौधरी मित्रसेन का व्यावसायिक साम्राज्य देश के विभिन्न राज्यों में फैला हुआ है। उनके द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में विविध प्रकार के व्यवसाय संचालित किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में कोल वॉशरी, खनिज खनन तथा

ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में उनका प्रभावशाली कार्य है। इसके साथ-साथ थर्मल पावर प्लांट व अन्य उद्योग भी प्रारंभ होकर सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। वित्तीय क्षेत्र में भी उनके व्यवसाय सक्रिय हैं। होटल व्यवसाय और वित्तीय कंपनियों के अतिरिक्त मीडिया क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। उनके द्वारा लगाया गया पौधा दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र हरियाणा, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के बाद अब मध्य प्रदेश में भी अपनी विशेष पहचान बना चुका है। हरिभूमि देश के दस सर्वाधिक पाठक संख्या वाले हिंदी दैनिक समाचार पत्रों में सम्मिलित रहा है।

**परममित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से समाजसेवा की मिसाल**

पिछले कई वर्षों से चौधरी मित्रसेन ने अपना जीवन समाजसेवा को समर्पित करते हुए परममित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से मानव कल्याण का एक सशक्त अभियान खड़ा किया है। उनका मानना है कि सच्ची सेवा वही है, जो समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इसी सोच के साथ यह संस्थान वंचित, गरीब और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। परममित्र मानव निर्माण संस्थान के जरिए न केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय योगदान दिया जा रहा है। समाजसेवा में जुटे विभिन्न संगठनों और संस्थानों को आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और सहयोग देकर उनकी कार्यक्षमता को मजबूत किया जा रहा है, ताकि समाज में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाया जा सके। चौधरी मित्रसेन के नेतृत्व में परममित्र मानव निर्माण संस्थान आज केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुका है। यह संस्थान समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणा है कि यदि संकल्प मजबूत हो, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना संभव है।

**मित्र स्मृति स्तंभ सांस्कृतिक धरोहर**

“यं पूर्वं ऋषयो विदुः।” (ऋग्वेद) अर्थात्—जिस पथ पर पूर्वज ऋषि चले, वही लोकमंगल का मार्ग है।

प्रायः यह देखा जाता है कि जहां लक्ष्मी का निवास होता है, वहां सरस्वती का अभाव रहता है, किंतु चौधरी मित्रसेन जी के परिवार में लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का समन्वित वास है। यह उनकी और उनके परिवार की सारस्वत अभिरुचि का ही परिणाम है कि उनके आश्रम तुल्य गृह की चारदीवारी पर सृष्टि के प्रारंभ से लेकर आज तक के आर्यावर्त के इतिहास की गौरवमयी झलकियां अंकित हैं, जो सभी को रोमांच और आत्मगौरव से भर देती हैं। खांडाखेड़ी गांव में बनाए गए मित्र स्मृति स्तंभ में प्रदर्शित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलकियां यह स्पष्ट करती हैं कि उनका परिवार न केवल उनकी आर्थिक विरासत का, बल्कि सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी पूर्ण निष्ठा से संरक्षण कर रहा है।

**अचला सप्तमी**



**आज की पाती**

**मारपीट-हत्याओं के बढ़ते मामले**  
देश में मारपीट और हत्या के मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसे ही मामले काफी समय से राजधानी रायपुर व प्रदेश के कई ग्रामीण इलाकों में बढ़े हैं। इन मामलों के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण लोगों का सहनशीलता लेवल कम होना है। जहां भी हमारा आपा खो जाता है, वहां हम मारपीट में फंस जाते हैं। मारपीट और हत्या के मामलों से बचने के लिए एक ही चारा है कि हमें कोई भी विवाद हो, उसे बातचीत से सुलझा देना चाहिए। वहीं एक सुझाव यह भी है कि महिलाओं को समाज में सशक्त होना चाहिए, ताकि कोई भी विवाद हो वह उसे अच्छे से सुलझा ले। महिलाएं सशक्त होंगी तो बहुत सारे विवाद जो घर से बाहर निकलते हैं, वे सुलझ सकेंगे हैं।  
-रमेश यदु, भाटापारा

**करंट अफेयर**

**क्लाइम्बर एलेक्स बिना रस्सी ताइपे 101 पर चढ़े**

अमेरिकी रॉक क्लाइम्बर एलेक्स होनोल्ड ने रविवार को बिना किसी रस्सी या सुरक्षा उपकरण के गंगासुंठी इमारत 'ताइपे 101' पर चढ़ाई की। एलेक्स ने रविवार को सुबह जब 508 मीटर (1,667 फुट) ऊंची इस इमारत पर चढ़ना शुरू किया, तो वहां जमा भीड़ ने खुशी से तालियां बजाईं। उन्होंने घाट की भीमों का सहारा लेकर सिर्फ हाथों के जरिये चढ़ाई की। जब वह एक जगह रुके और पीछे मुड़कर दर्शकों की ओर देखने लगे, तो वहां खड़े लोगों ने फिर से उनका उत्साहवर्धन करने के लिए नारे लगाये। उनकी लाल रंग की छेटी बाजू की शर्ट चढ़ाई के दौरान सबसे कठिन हिस्सा दिख रही थी। ताइवान की राजधानी स्थित इस प्रतिष्ठित इमारत पर होनोल्ड की चढ़ाई का सीधा प्रसारण नेटफ्लिक्स पर 10 सेकंड की देरी के साथ किया जा रहा था। एलेक्स को इमारत पर शनिवार को चढ़ना था, लेकिन बारिश के कारण 24 घंटे के लिए इसे स्थगित कर दिया गया था। इस इमारत में 101 मंजिल हैं, जिनमें सबसे कठिन हिस्सा मध्य भाग की 64 मंजिल हैं। ये इमारत को इसकी विशिष्ट पहचान देते हैं। आठ भागों में विभाजित इस इमारत के प्रत्येक भाग में आठ मंजिल हैं। एलेक्स ने ऊपर चढ़ते समय हर भाग में थोड़ी-थोड़ी दर आराम किया।

**ऑफ बीट**

**नाक से सांस लेने पर आपकी दौड़ हो सकती है आसान**

शवास अवचेतन है। हमें इसके बारे में सोचने की जरूरत नहीं है – यह बस हो जाता है। कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं। हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं – और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। और गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

**टैंड**

**जनभागीदारी की मिसाल**

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से गुजजने वाली तमसा नदी का पुनरोद्धार जनभागीदारी की सफलता की अद्भुत मिसाल है। यहां के लोगों ने अपनी सामूहिक शक्ति से ना केवल एक नदी, बल्कि हजारों सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की धारा को एक नया जीवन दिया है।  
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

**'श्री अन्न' की स्वीकार्यता**

'श्री अन्न' की बढ़ती स्वीकार्यता देश के खानपान में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाती है, जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में किया है। 'श्री अन्न' आज पोषण, वातावरण और किसान आमनिर्भरता का सशक्त माध्यम बना है।  
- धर्मेन्द्र प्रधान, कैटीय शिक्षा मंत्री

**वायु प्रदूषण**

हम वायु प्रदूषण की बहुत गंभीर कीमत चुका रहे हैं -अपने स्वास्थ्य से भी और अर्थव्यवस्था से भी। करोड़ों आम भारतीय हर दिन इसका बोझ झेल रहे हैं। बचे और कुर्बान सबसे ज्यादा इसके कारण पीड़ा सहते हैं।  
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

**सोरेन ने परंपरा तोड़ी**

झारखंड की उप राजधानी दुमका में मुख्यमंत्री द्वारा गणतंत्र दिवस के दिन झंडीतोलन किए जाने की परंपरा रही है, लेकिन हेमंत सोरेन ने लंदन में शीपिंग करने के लिए इस परंपरा को भी तोड़ दिया। वे विदेशी टैरे पर जनता की गाढ़ी कमाई लूटा रहे हैं।  
-बाबूलाल मराठी, पूर्व सीएम, झारखंड

**अपने विचार**  
**हरिभूमि कार्यालय**  
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फेब्स :  
0771-4242222, 23 पर या सीधे भेजें से :  
**hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

**गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन**

**राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- संविधान हमारे गणराज्य का आधार-ग्रंथ**

हरिभूमि न्यूज़ नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये वर्तमान, भूत और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर है। उन्होंने कहा, हमारा संविधान विश्व इतिहास में आज तक के सबसे बड़े गणराज्य का आधार ग्रंथ है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के आदर्श हमारे गणतंत्र को



परिभाषित करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। विश्व पटल पर अनिश्चितता के बावजूद भारत में निरंतर आर्थिक विकास हो रहा है।

**राष्ट्र निर्माण में हर क्षेत्र का योगदान**

राष्ट्रपति ने कहा, आप सब हमारे जीवंत गणतंत्र को शक्तिशाली बना रहे हैं। हमारे लीजों सेना के जवान मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। पुलिस जवान और केंद्रीय बलों के जवान आंतरिक सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। किसान देशवासियों के लिए फसल पैदा करते हैं। कर्मों और प्रतिभाशाली महिलाएं नए कोटिमान स्थापित रही हैं। डॉक्टर देशवासियों के स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। प्रखुर शिक्षक मावी पीढ़ियों का निर्माण करते हैं।

**वर्ष 2026 की पहली मन की बात**

**लोकतंत्र की आत्मा होता है मतदाता : पीएम मोदी**



हरिभूमि न्यूज़ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इस साल के पहले अपने मन की बात रेडियो कार्यक्रम के जरिए देश को संबोधित किया। इस दौरान

पीएम मोदी ने कहा कि 26 जनवरी को हम सभी गणतंत्र दिवस का पर्व मनाएंगे। इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ था। आज 25 जनवरी का दिन भी बहुत अहम है। आज मतदाता दिवस है। मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। 26 जनवरी का ये दिन हमें अपने संविधान निर्माताओं को नमन करने का अवसर देता है। मोदी ने कहा कि आज मतदाता दिवस पर मैं अपने युवा साथियों से फिर आग्रह करूंगा कि वे 18 साल का होने पर वोट के रूप में खुद को जरूर रजिस्टर करें।

**मतदाता बनने को किया जाए सिलिब्रेट**

पीएम मोदी ने कहा कि आमतौर पर जब कोई 18 साल का हो जाता है, तो मतदाता बन जाता है। उसे जीवन का एक सामान्य पड़ाव समझा जाता है, लेकिन दरअसल ये अवसर किसी भी भारतीय के जीवन का बहुत बड़ा अवसर होता है, इसलिए जरूरी है कि हम देश में वोट बनने का उत्सव मनाएं, जैसे हम जन्मदिन पर उत्सव मनाते हैं।

**धमतरी के रहने वाले हैं चंद्रप्रकाश**

**बीएसएफ कमांडेंट चंद्रप्रकाश को उत्कृष्ट सेवा के लिए मेडल**

हरिभूमि न्यूज़ धमतरी

राज्य के एक बीएसएफ कमांडेंट चंद्रप्रकाश शर्मा को उनके उत्कृष्ट सेवा के लिए मेडल देने की घोषणा की गई है। श्री शर्मा मूल रूप से धमतरी के रहने वाले हैं। चंद्रप्रकाश सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा है।

कमांडेंट चंद्रप्रकाश शर्मा वर्ष 1989 से बीएसएफ में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बीएसएफ में आने से पूर्व वे वर्ष 1986 से 1989 तक लोक निर्माण विभाग में दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्य किए हैं। इसी दौरान श्री शर्मा ने फोर्स ज्वाइन करने का निर्णय लिया और वे बीएसएफ में कनिष्ठ अभियंता के पद पर भर्ती हुए और उनकी पहली पोस्टिंग जम्मू में हुई।

**वर्तमान में झारखंड में तैनाती**

वर्तमान में वे झारखंड में बीएसएफ ट्रेनिंग सेंटर व स्कूल हजारीबाग में डिप्टी कमांडेंट (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) के पद पर कार्यरत हैं। कुल 37 साल की सेवा में उन्हें डीआईजी, आईजी और डीजी के कमांडेशन मिले हैं।

**राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त**

**लाल ने तेजस्वी यादव को सौंपी राजद की कमान**



पटना। बिहार विधानसभा में प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इस बैठक में आरजेडी चीफ लालू प्रसाद ने पार्टी की कमान अपने बेटे तेजस्वी यादव को सौंप दी। बैठक में देश के मौजूदा हालात और पार्टी की प्लानिंग को लेकर चर्चा हुई। इस बैठक में 20 से अधिक राज्य अध्यक्ष और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, विधायक, एमएलसी और सांसद शामिल हुए। बता दें कि विधानसभा चुनाव के बाद आरजेडी की यह पहली बैठक है। इस बैठक में तेजस्वी यादव राज्य विधानसभा चुनावों में आरजेडी के खराब प्रदर्शन पर एक रिपोर्ट के आधार पर करीब 300 पार्टी नेताओं और वर्कर्स के खिलाफ कार्रवाई भी ले सकते हैं।

कठपुतली बने शहजादा की ताजपोशी मुबारक-रोहिणी इसी बीच, लालू यादव की बेटी और तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने तंज कसते हुए फ्लक्स पोस्ट में लिखा, सियासत के शिखर-पुरुष की गौरवशाली पारी का एक तरह से पटाक्षेप, ठकुरसुहाती करने वाली और गिरोह-सुसुपेठ को उनके हाथों की कठपुतली बने शहजादा की ताजपोशी मुबारक। इससे पहले, रोहिणी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि सुसंपीठियों ने पार्टी की कमान थाम ली है और लालू यादव की विरस्त तबाह हो रही है।

**MARUTI SUZUKI**

**50% LESS TAX? NOW THAT'S A BIG INSPIRATION.**

Get 50% Tax Waiver on your FRONX during the Raipur Auto Expo. (Offers Valid Till 31st Jan, 2026)

**INDIA'S FASTEST 4 LAKH SALES**

**3 years 100,000 km WARRANTY\***

1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid | 360 View Camera | Head Up Display | NEXTre Rear Combination Lights | 6 Airbags As Standard

**BENEFITS UP TO ₹ 70,000\***

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU!

e-book today @ [www.nexaexperience.com](http://www.nexaexperience.com)

Contact us at 1800-200-6392 | 1800-102-NEXA

T&C available at your nearest dealership. Prices and savings mentioned above are for select variants and may vary across cities/variants. \*Above shown benefits up to ₹70,000 is applicable on Fronx Turbo. Maruti Suzuki reserves the right to discontinue offers without notice and offers may vary across variants. The above offers are valid until stocks last. Images used are based on Creative visualization and for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. The offer of 50% Road Tax waiver is as per the directives of the State Government and applicable for Chhattisgarh. RTO waiver offer is valid on all Maruti Suzuki NEXA models during the Raipur Auto Expo 2026. \*3 years or 100,000 km whichever is earlier. Claim verified by independent research agency JATO DYNAMICS limited date 17-November-2025 for fastest to 4 lakh sales in the industry since launch.

**SMART BAZAAR**

**फुल पैसा वसूल**

**सेल 21st - 26th JAN**

**आज आखिरी दिन**

**सबका एक ही उसूल, अब करेंगे फुल पैसा वसूल.**

**21 से 26 जनवरी**

<p><b>मधुर चीनी 5 kg / आशीर्वाद शुद्ध चक्की आटा 10 kg</b></p> <p>स्मार्ट कीमत <b>₹249/₹489</b></p> <p>एमआरपी ₹345 / ₹516 बचाइए ₹66 / ₹27</p>	<p><b>गुड लाईफ बादाम 500 g + काजू (W320) 500 g</b></p> <p>संयुक्त एमआरपी ₹1345 बचाइए ₹496</p>	<p><b>तुअर चना दाल / तूर दाल वैल्यू 1 kg</b></p> <p>स्मार्ट कीमत <b>₹71/₹107</b></p> <p>बाजार मूल्य ₹76 / ₹112</p>	<p><b>किंज 750 g / फॉर्च्यून प्लस सोयाबीन रोल 840 g</b></p> <p>स्मार्ट कीमत <b>₹114/₹126</b></p> <p>एमआरपी ₹140 / ₹145 बचाइए ₹26 / ₹19</p>	<p><b>इंडिया गेट मोगरा बासमती चावल 10 kg / क्लासिक कोलम स्टीम चावल 26 kg</b></p> <p>स्मार्ट कीमत <b>₹589/₹1039</b></p> <p>एमआरपी ₹865 / ₹1800 बचाइए ₹276 / ₹761</p>
<p><b>अमूल प्योर घी 1 L</b></p> <p>स्मार्ट कीमत <b>₹559</b></p> <p>एमआरपी ₹610। बचाइए ₹51</p>	<p><b>बिस्किट्स बड़ा पैक 400 g या उससे अधिक / लोटे चोको पाई 336 g (बुनिदा प्रकार)</b></p> <p>एमआरपी ₹75 या उससे अधिक / बुनिदा</p>	<p><b>कोका-कोला / स्माइट / थम्स अप 750 ml (बुनिदा प्रकार)</b></p> <p>BUY ANY 3 GET ANY 1 FREE</p> <p>एमआरपी ₹40 या उससे अधिक / बुनिदा</p>	<p><b>रेड लेबल लीफ टी 1 kg</b></p> <p>बचाइए <b>₹150</b></p> <p>एमआरपी ₹520 या उससे अधिक स्मार्ट कीमत ₹370 या उससे अधिक</p>	<p><b>साबुन 125 g या उससे अधिक (मल्टी पैक) (बुनिदा प्रकार) एमआरपी ₹299 या उससे अधिक</b></p> <p>BUY ANY 1 GET ANY 1 FREE</p>
<p><b>दूधपेस्ट 280 g या उससे अधिक (बुनिदा प्रकार)</b></p> <p>एमआरपी ₹204 या उससे अधिक</p>	<p><b>डिटर्जेंट 4 L / 5 kg या उससे अधिक (बुनिदा प्रकार)</b></p> <p>33% छूट</p> <p>एमआरपी ₹565 या उससे अधिक</p>	<p><b>3 पीस हार्ड ट्रॉली सेट</b></p> <p>पैकेट <b>85% छूट</b></p> <p>एमआरपी ₹30000 या उससे अधिक स्मार्ट कीमत ₹4499 या उससे अधिक</p>	<p><b>ब्लश्लेस Everyday Essentials at PAISA VASOOL Prices</b></p> <p>BUY 1 GET 3 FREE</p> <p>एमआरपी ₹1199 या उससे अधिक</p>	

**रायपुर: अंबुजा सिटी सेंटर मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, विधानसभा रोड, मोवा. • मैग्रेटो द मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, जीई रोड. • सिटी सेंटर मॉल, लोअर ग्राउंड फ्लोर, पंडरी. • चंद्रा स्कवेयर, विधानसभा रोड, मोवा • कलर्स मॉल, पचपेड़ी नाका.**

**SMART BAZAAR**

ऑफर यहाँ भी उपलब्ध **fresh Signature** **SMART SUPERSTORE**

**10% INSTANT DISCOUNT** SBI card

\*Min. Trxn.: ₹3,000; Max. Discount: ₹500 per Trxn. per credit card; Validity: 21 Jan - 26 Jan 2026. T&C Apply.

अधिक ऑफर जानने के लिए स्कैन करें

अपना बजटबंदी कोर पोर करके के लिये स्कैन करें

निष्पत्ति यह है कि, ऑफर स्टॉक खत्म होने तक वैध है। सभी ऑफरों को एमआरपी दिखाने के बिना देना नहीं जा सकता है। प्रोडक्ट की डिजाईन एवं पैकेजिंग/कोटिंग/प्रिंटिंग के प्रति प्रतिनिधित्व के लिए हैं। होमवैर और ऑनलाइन ऑफर बुनिदा स्मार्ट बाजार और स्मार्ट सुपरस्टोर पर वैध है। सभी प्रोडक्ट्स की एमआरपी में सभी टैक्स शामिल हैं। छूट प्रतिशत को ऑफर मूल्य के लगभग प्रतिशत तक पांच अंक किया गया है। सभी ऑफर 26 जनवरी 2026 तक मान्य हैं। सभी क्लियर केस मुद्दों में स्थित न्यायालयों के अलग-अलग क्षेत्रों के अधीन हैं।

# इन देशभक्ति गानों को सुनकर जोश से भर जाता है हर भारतीय

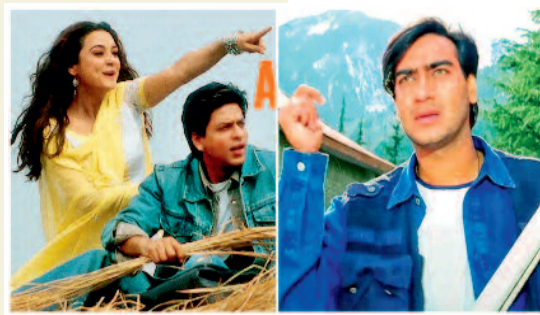
**नई दिल्ली।** गणतंत्र दिवस के दिन हर किसी के अंदर देशभक्ति की भावना देखने को मिलती है। इसके साथ ही हर तरफ आपको कुछ ऐसे गाने सुनने को मिलेंगे जो सालों से चले आ रहे और उन्हें सुनकर देशभक्ति का जोश लोगों के अंदर जग जाता है। बॉलीवुड ने कई देशभक्ति फिल्मों बनाई हैं और उनके गाने आज भी लोग पूरे दिल से सुनते हैं। हिंदी सिनेमा के हर दौर में एक ऐसी देशभक्ति फिल्म आई जो लोगों को दिलों को छू गई। उन्हीं फिल्मों में कई ऐसे गाने रहे जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया।

## छोड़े कल की बातें

1960 में रिलीज हुई फिल्म हम हिंदुस्तानी का ये गाना है। फिल्म में सुनील दत्त, आशा पारेख, संजीव कुमार और जॉय मुखर्जी जैसे कलाकार नजर आए थे। छोड़े कल की बातें गाना सुनील दत्त पर फिल्माया गया था, जबकि इस गाने को मुखेश ने गाया था। गाने के बोल प्रेम धवन ने लिखे थे और इसका म्यूजिक उशा खन्ना ने तैयार किया था। ये एक बेहतरीन देशभक्ति फिल्म थी जो उस साल की हिट फिल्मों में से एक थी।

## भारत का रहने वाला हूँ

1970 में रिलीज हुई फिल्म पुरर और पश्चिम मनेज कुमार ने ही बनाई थी। फिल्म में मनेज कुमार ही लीड रोल में नजर आए थे और उनके अपोजिट साथरा बानो नजर आई थीं। ये एक सुपरहिट फिल्म थी और फिल्म में प्राण, अशोक कुमार, निरुपा रॉय, प्रेम चोपड़ा जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में थे। भारत का रहने वाला हूँ गाना सदाबहार बन गया था। इस गाने को महेंद्र कपूर ने गाया था, जबकि गाना मनेज कुमार पर ही फिल्माया गया था। इस गाने का म्यूजिक कल्याणजी आनंदजी ने तैयार किया था और इसके बोल इंदरव ने लिखे थे।



## आई लव माई इंडिया

1997 में रिलीज हुई फिल्म परदेश के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर सुभाष घई थे। फिल्म में शाहरुख खान, महिमा चौधरी, अपूर्व अग्निहोत्री, अमरीश पुरी और आलोक नाथ अहम किरदारों में नजर आए थे। 'आई लव माई इंडिया' गाना उसी फिल्म का है जिसे आज भी लोग शान के साथ सुनते हैं। इस गाने को हरिहरण, कविता कृष्णमूर्ति, शंकर महदेवन, आदित्य नारायण ने गाया था। गाने का म्यूजिक नदीम-श्रवण ने तैयार किया था और बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे।

## संदेश आते हैं

1997 में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर को जेपी दत्ता ने बनाया था। फिल्म में सनी देओल, जैकी श्राफ, सुनील दत्त, अक्षय खन्ना जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आए थे। ये उस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म थी जिसका दूसरा पार्ट 2026 में रिलीज होगा। संदेश आते हैं गाना उसी फिल्म का है और आज भी पसंद किया जाता है। इस गाने को सोनू निगम और रूप कुमार राठी ने गाया था।

## मेरा मुलक मेरा देश

1996 में रिलीज हुई फिल्म दिलजले के डायरेक्टर हैरी बावजा थे। फिल्म में अजय देवगन और सोनली बेंद्रे लीड रोल में थे। फिल्म में ये गाना तीन बार दिखाया गया था और आज भी लोग इस गाने को ख़ास दिनों में सुनते हैं। मेरा मुलक मेरा देश गाना कुमार सानू और आदित्य नारायण के साथ अलका यागनिक ने गाया था।

# कॉमेडी नाइट्स शो छोड़ने का नहीं है कोई मलाल : उपासना

नई दिल्ली। कॉमेडी नाइट्स विद कपिल की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस उपासना सिंह को आज भी लोग पिकी बुआ के नाम से याद करते हैं। उन्होंने कपिल का शो छोड़ने के बरसों बाद अपनी खामोशी तोड़ी है। अक्सर उनके और कपिल के बीच अनबन का खबर उड़ती रहती है, लेकिन उपासना ने इन सबको अफवाह करार दिया है। उन्होंने बेहद शालीनता से कहा कि उनके मन में शो छोड़ने को लेकर कोई दुख या मलाल नहीं है। उपासना ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि कपिल आज भी उनके छोटे भाई जैसे हैं। फिलहाल वह पंजाबी फिल्मों में काफी बिजी हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि वह



सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन की जनरल सेक्रेटरी के तौर पर भी बड़ी जिम्मेदारी निभा रही हैं। उन्होंने कलाकारों की पेंमेंट समय पर दिलाने और काम के घंटे तय करने जैसे जरूरी मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'जब हमने दस साल एक साथ काम किया था। बहुत प्यारे दिन थे और मेरा किरदार पिकी बुआ बहुत पसंद किया गया था, जैसे फिल्म 'जुदाई' का 'अब्बा, जब्बा, उब्बा वाला किरदार फेमस हुआ था। उपासना सिंह ने कहा, 'मैं कपिल और सारी टीम के लिए बहुत खुश हूँ और मेरे मन में कोई दुख नहीं है कि मैं अब शो का हिस्सा नहीं हूँ।

## कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति, बालोद, जिला बालोद (छ.ग.)

Pho. No.07749-296102, e-mail add. maddi-balod.cg@nic.in, mandibalod.cg@gmail.com  
क्र./मंडी/निर्माण शाखा/2025-26/1576 // नैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना //

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.) के अंतर्गत निम्न दर्शित कार्य/स्थल एवं कार्य के सम्मुख दर्शित लागत अनुसार कार्य कराये जाने हेतु छ.ग. लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मुहबंद निविदायें केवल पंजीकृत डाक से चार लिफाफा पद्धति से दि. 17.03.2026 को 5.30 बजे तक छ.ग. शासन लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015, सड़क/ब्रिज कार्य हेतु दिनांक 01.01.2025 एवं विद्युत कार्य हेतु दिनांक 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर. एवं इस निविदा के जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर निविदा प्रपत्र अ (प्रतिशत दर) में संचिव, कृषि उपज मंडी समिति बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.) में आमंत्रित की जाती है। प्रातः निविदाएं इस कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारों/प्रतिनिधियों के समक्ष दिनांक 18.03.2026 को दोपहर 02:00 बजे खोली जायेंगी।

- निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि :- 09.03.2026 को सायं 05.30 बजे तक
- निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि :- 17.03.2026 को सायं 05.30 बजे तक
- निविदा प्रपत्र खोले जाने की अंतिम तिथि :- 18.03.2026 को दोपहर 02.00 बजे तक

क्र.	कार्य स्थल	कार्य विवरण	कार्य संख्या	SOR पर अनु. लागत प्रत्येक कार्य (लाख में)	व्याने की राशि प्रत्येक कार्य FDR में	ठेकेदार की श्रेणी	कार्यावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य प्रत्येक कार्य	दर अनुसूची
1	धान उपार्जन केन्द्र जगतवा एवं ग्राम जामगांव (वि.ख. बालोद), ग्राम कमरौद (वि.ख. गुण्डरदेही) तथा ग्राम अंगारी (वि.ख. डौण्डोलोहारा)	सी.सी. रोड	04	8.24	6500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	Based on C.G.P.W.D.
2	ग्राम जगतवा, जगनाथपुर, अरौद कोचेरा (वि.ख. बालोद), देवारभाट, कोबा (वि.ख. डौण्डोलोहारा) तथा ग्राम डुंडेरा, नवागांव-दू (वि.ख. गुण्डरदेही)	कच्ची रोड	08	9.67	7500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	Building Works with Effect from 01.01.2015, Road/Bridge
3	ग्राम बचमरा (वि.ख. बालोद)	कच्ची रोड	01	9.24	7000/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	Works with Effect from 01.01.2025 &
4	ग्राम बुंदेली (वि.ख. डौण्डोलोहारा)	कच्ची रोड	01	9.96	7500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	Electrical Works with Effect from
5	ग्राम जगनाथपुर (वि.ख. बालोद)	सामुदायिक भवन एवं मंच	01	9.69	7500/-	डी एवं उच्च	03 माह वर्षा ऋतु सहित	1000/-	01.07.2015

1. नियम व शर्तें एवं कार्य से संबंधित जानकारी कार्यालय में कार्यालयीन समय में दिनांक 09.03.2026 तक देखें / प्राप्त किये जा सकते हैं।  
सचिव  
कृषि उपज मंडी समिति  
बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)  
भारसाधक अधिकारी / अपर कलेक्टर  
कृषि उपज मंडी समिति  
बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

# ये हैं संविधान की अहमियत बताने वाली फिल्मों मुलक से लेकर जय भीम तक, संविधान का महत्व समझाती कहानियां

नई दिल्ली। आज हर देशवासी 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह दिन हमें संविधान की अहमियत समझाता है। संविधान हर भारतीय नागरिक के जीवन को कैसे सशक्त बनाता है। हमें हमारे अधिकारों से संविधान परिचित करवाता है। इस अक्सर पर आप ऐसी कुछ चर्चित फिल्मों भी देख सकते हैं, जो संविधान का महत्व समझाती हैं। कैसे संविधान से एक नागरिक का जीवन बदलता है, उसकी झलक इन फिल्मों की कहानियों में नजर आती है।

**मुलक** : त्रिषि कपूर स्टार की फिल्म मुलक 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक अल्पसंख्यक परिवार की कहानी थी, सामाजिक भेदभाव, उत्पीड़न का शिकार होता है। ऐसे में यह परिवार कोट का दरवाजा खटखटाता है। इस परिवार की बहू जो पेशे से चकील है, संविधान के आर्टिकल 15 के तहत अपने हक के लिए कस लड़ती है। संविधान का आर्टिकल 15 राज्य में धर्म, जाति, धर्म, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर नागरिकों के बीच भेदभाव को रोकता है।

**आर्टिकल 15** : अनुभव सिक्हा ने ही एक फिल्म 'आर्टिकल 15' बनाई थी। यह



फिल्म भी आम नागरिक को उसे हक के बारे में जागरूक करती है। इस फिल्म में लीड रोल में आयुष्मान खुराना थे। फिल्म की कहानी में तीन लड़कियों का अपहरण हो जाता है। इस केस के लिए जब आयुष्मान खुराना पुलिस ऑफिसर बनकर जांच करते हैं तो मामला 'आर्टिकल 15' के हनन का निकलता है।

**जय भीम** : साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'जय भीम' में भी सामाजिक भेदभाव की कहानी थी। यह तमिल लोगल ड्रामा फिल्म 1993 में हुई एक असल घटना पर आधारित थी। 'जय भीम' को एक्टर सूर्या और एक्ट्रेस ज्योतििका ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म में एडवोकेट चंद्रू का किरदार सूर्या ने निभाया था,

वह इस्तर कबीले के हकों के लिए कानून का दरवाजा खटखटाते हैं। यह फिल्म संविधान के 'आर्टिकल 17' का महत्व बताती है। संविधान के इस अनुच्छेद के अनुसार छुआछात गैरकानूनी है।

**न्यूनतम** : साल 2017 में रिलीज हुई राजकुमार राव स्टार फिल्म 'न्यूनतम' की कहानी भी नागरिकों को वोट देने के उनके मौलिक अधिकारों से अवगत करती है। संविधान हर नागरिक को वोट देने का अधिकार देता है। इस फिल्म की कहानी में राजकुमार राव एक सरकारी कर्मचारी हैं, जिसे छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके में वॉटिंग करवाने की जिम्मेदारी मिलती है।

# शहीद निर्मलजीत सिंह के परिवार से मिले सनी

मुंबई। इन दिनों फिल्म 'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में लगी हुई है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने भारतीय वायुसेना के परमवीर चक्र विजेता शहीद निर्मलजीत सिंह सेखों का किरदार अदा किया है। सनी देओल ने हाल ही में निर्मलजीत सिंह के परिवार से मुलाकात की। फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसमें सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और वरुण धवन जैसे सितारे नजर आए हैं। यह फिल्म साल 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि हमारी जल, थल और वायुसेना ने किस बहादुरी से दुश्मनों के छक्के छुड़ाए थे। फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने 1971 युद्ध के हीरो शहीद निर्मलजीत सिंह सेखों की भूमिका निभाई है। सनी देओल हाल ही में निर्मलजीत सिंह के परिवार से मिले। सनी देओल ने आज रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें अग्निता निर्मलजीत सिंह के परिवार के सदस्य के साथ नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'हमारे हीरो परमवीर चक्र फ्लाइट ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों के परिवार से मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी। फिल्म 'बॉर्डर 2' में इनका रोल दिलजीत दोसांझ कर रहे हैं, जिनकी बॉमिसाल बहादुरी की सच्ची कहानी आप फिल्म में देखेंगे।



**सिनेमाघर पहुंचकर बोला भारत माता की जय**  
मुंबई। सिनेमाघरों में 23 जनवरी से वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' चल रही है। दशक इसे खूब प्यार दे रहे हैं। पहले और दूसरे दिन फिल्म ने अच्छी कमाई की। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी हैं। सभी कलाकार अपने-अपने हिस्से से दर्शकों का आभार जता रहे हैं। इसी कड़ी में वरुण धवन एक सिनेमाघर में पहुंचे और दर्शकों से बातचीत

की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि वरुण धवन उस सिनेमाघर में पहुंचे जहां फिल्म 'बॉर्डर 2' चल रही थी। वह जैसे ही यहां पहुंचे सिनेमाघर तेज आवाज और सींटियों से गूंज उठा। वरुण धवन ने दर्शकों से पूछा, 'आप लोगों को फिल्म कैसी लग रही है?' इस पर दर्शकों ने जवाब दिया 'बहुत अच्छी लग रही है।' इसके बाद उन्होंने जोर से भारत माता की जय बोला। दर्शकों ने उनका साथ दिया। उन्होंने आगे कहा 'अभी इंटरवल हुआ है ना? मुझे लगा एंड हो गया है।

**HMS ARSH-RAHAT**

आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा

**अर्श-राहत**

बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।  
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें

94060-21769

**JHAIGO**

झाईगो 5+1 Cream

चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...

क्या आपके... चेहरे पर झाईयां हैं? आंखों पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुर्हासों के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

तो फिर क्या... यस इस बार झाईगी कीम उपयोग कर देखें।

# सिर्फ आज

सिर्फ आज, गणतंत्र दिवस पर, पाइये मैक्सिमम रेंज पर मैक्सिमम डिस्काउंट यानि मैक्सिमम फ़ायदा!

EXPRESS DELIVERY

25 YEARS OF TRUST

SERVICE SUPPORT

FINANCE DEALS

EXTENDED WARRANTY

EXPERT ADVICE

BEST COMPANY DEALS

LATEST PRODUCTS

**HDFC BANK**

Up to ₹7500 Instant Discount\* with HDFC Bank EASYEMI on Cards

Offer Valid till 31st Jan 26

**Paper Finance Offer**

**₹15000** Instant Cashback

On Transaction of ₹ 20000 & Above Paper Finance

Offer Valid till 31st Jan 26

**Paper Finance Offer**

**₹30000** Instant Cashback

On Transaction of ₹ 20000 & Above Paper Finance

Offer Valid till 31st Jan 26

**LOTUS**

Electronics Supermarket

रिश्ता बेहतर ज़िन्दगी से...

RAIPUR : NEAR KACHAHARI CHOWK, JAIL ROAD • RAJENDRA NAGAR, PURENA • SHANKAR NAGAR MAIN ROAD.

27 Showrooms | 9 Cities | Shop online at [www.lotuselectronics.com](http://www.lotuselectronics.com) or call : 9111-300-400 | Follow us: [f](https://www.facebook.com/lotuselectronics) [i](https://www.instagram.com/lotuselectronics) [y](https://www.youtube.com/lotuselectronics) /lotuselectronics

\*Conditions Apply. Images shown above are representative of the actual products. Products are available without offer also. Offers on selected products only. Finance, at the sole discretion of finance company. Offer on select product categories and participating brands only. Products Financed will be as per finance company's norms. Finance offer on select product categories & participating brands only. Exchange offer at the sole discretion of dealer. Old exchange products should be in working condition & with accessories. Extra charges applicable depend on the product without the complete accessories. Lotus reserves the right to withdraw offers without prior notice. Offer valid as per stock. Please visit the showroom for complete details.

**जैकेट के शेष**

**सीएम साय ने कहा-31 मार्च...**

उतर। आज भी अपने आप को एक कार्यकर्ता ही पता है और सरल सहज रहने की कोशिश करता हूँ।  
**डॉ. द्विवेदी- दिल्लीप सिंह जुदेव से कैसे मुलाकात हुई और उनसे इतनी आत्मियता कैसी रही ?**  
 मुख्यमंत्री- राजपरिवार से मेरा पुराना नाता रहा है और इसी कारण दिल्लीप सिंह देव के करीबी रहा। वह एक आकर्षक व्यक्तित्व के मालिक थे और उनसे जो भी मिलता वह उनका ही होकर रह जाता था। 1947 में जब देश आजाद हुआ उस समय सीपी बीयर स्टेट हुआ करता था। उस दौरान अनारक्षित सीट से हमारे दादा और अनारक्षित सीट से दिल्लीप सिंह जी के परिवार के लोग मनोनित हुए थे। तब से लेकर लगातार उनसे संपर्क बना हुआ था। दिल्लीप सिंह जुदेव की याददाश्त बहुत तेज थी और हमेशा वह सभी के बारे में सोचते थे।

**डॉ. द्विवेदी- 2019 में बिना लड़े आपका कैसे टिकट काट दिया गया था ?**  
 मुख्यमंत्री- 2018 के विधानसभा चुनाव में जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बहुमत मिला और भाजपा 15 सीटों पर सिमट गई थी तब एक झटका लगा था। 2019 में जब लोकसभा चुनाव हो रहा था उसे समय रायगढ़ में हमारे घर में ही बैठक चल रही थी। उस समय मुझसे पूछा गया तो बोला कि पार्टी जो फैसला लेगी उसमें हमारी मंजूरी है। इसलिए ही बदलाव किया गया। पार्टी ने मुझे उम्मीद से ज याद दिया है इसके लिए हमेशा आभारी रहेंगे और पार्टी की जो भी आज्ञा होगी पूरा करेंगे।

**डॉ. द्विवेदी- राज्य बने 25 साल हो गए हैं, इस सफर को किस रूप में देखते हैं ?**  
 मुख्यमंत्री- पिछले 25 सालों में 17 साल भाजपा की सरकार रही और 8 साल कांग्रेस की। 17 सालों में हमने बेहतर करने का काम किया जबकि कांग्रेस की नीतियां गलत थीं इस कारण राज्य के लोगों को भुगतान पड़ा। पिछले 25 सालों में हालांकि छत्तीसगढ़ का ऐतिहासिक विकास हुआ है। खास तौर पर प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की सोच के कारण पीएम सड़क योजना लागू हुई। इसी कारण हर गांव तक सड़क की सुविधा पहुंच चुकी है और आवागमन सुचारू हो चुका है। पहले राज्य में एक मेडिकल कॉलेज था अब 14 मेडिकल कॉलेज हैं। इसके साथ ही 20 विश्व विश्वविद्यालय भी खुल चुके हैं। पहले भुखमरी हुआ करती थी आज सभी को राशन मिल रहा है। डॉ. नरेंद्र मोदी जब मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने खाद्यान्न सुरक्षा प्रणाली लागू की। पीडीएस की व्यवस्था ठीक की, इसलिए उन्हें वाउर वाले बाबा भी कहा जाता है। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर जनता को हर सुविधा देना चाह रही है और इस दिशा में काम हो रहा है।

**डॉ. द्विवेदी- 2023 में जब भाजपा को बहुमत मिला तो उम्मीद थी की मुख्यमंत्री बनेंगे?**  
 मुख्यमंत्री- कमी किसी पद की लालसा नहीं रही। पार्टी ने जो मुझे अब तक दिया है उसके लिए धन्यवाद। अर्जुन गुंडा उस समय चुनाव पर्यवेक्षक बनकर आए थे। सभी लोगों की बैठक रायपुर में हुई थी और उस समय विधायक दल का नेता चुना जाना था। भाजपा में सब एक सिस्टम से काम होता है और इस बैठक में मुझे विधायक दल का नेता चुना गया और मुख्यमंत्री बना। भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है। यहां चाय वाला भी पीएम बन सकता है और एक गरीब घर का लड़का भी सीएम बन सकता है। संगठन सबसे महत्वपूर्ण है।

**डॉ. द्विवेदी- मुख्यमंत्री के रूप में अपने इस 2 साल के कार्यकाल को कैसे देखते हैं?**  
 मुख्यमंत्री- पिछले 2 साल कैसे बीता पता ही नहीं चला। इस बीच बेहतर काम करने की पूरी कोशिश रही। चुनाव प्रचार के दौरान मोदी की गारंटी लागू करने की बात हुई थी उसे पूरा किया गया है। कांग्रेस सरकार ने 18 लाख लोगों का घर छीना था। भाजपा की सरकार बनने के बाद सबसे पहला काम यही किया गया। 18 लाख पीएम आवास

**पेज एक के शेष**

**जहां पहुंचना आसान नहीं...**

13 को पद्म भूषण सम्मान दिया गया है। सूची में पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वाली में 19 महिलाएं हैं, जबकि इस सूची में विदेशी नागरिकों, अनिवासी भारतीयों, भारतीय मूल के व्यक्तियों और भारत के प्रवासी नागरिकों की श्रेणी में छह लोग भी शामिल हैं, साथ ही 16 लोगों को मरणोपरान्त सम्मानित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले सभी पद्म पुरस्कार विजेताओं को रविवार को बधाई दी।

**बस्तर की 'बड़ी दीदी'...**

आदिवासियों में जागरूकता का काम कर रही हैं। उन्होंने अपना जीवन आदिवासी बच्चियों की शिक्षा, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बुजुर्गों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्हें लोग सम्मान से 'बड़ी दीदी' कहते हैं।

**दुर्गम इलाकों में दे...**

एक आयुर्वेद चिकित्सक हैं। वे अपनी पत्नी सुनीता गोडबोले के साथ मिलकर स्वास्थ्य जागरूकता और कुपोषण के खिलाफ लगातार काम कर रहे हैं।

**साय बोले- प्रदेश का...**

होना पूरे प्रदेश के लिए अपार गौरव और सम्मान का विषय है। प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले इन तीनों विभूतियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं।

**पद्म भूषण...**

शतावधानी आर गणेश- कला , शिबू सोरेन (मरणोपरान्त)- पब्लिक लाइफ, उदय कोटक- व्यापार और उद्योग, वी के मल्होत्रा (मरणोपरान्त)- पब्लिक लाइफ, वेल्फेयर नटेशन- पब्लिक लाइफ, विजय अमृतराज- खेल

**पद्म श्री...**

अशोक कुमार हालदार, बलदेव सिंह, भगवानदास रायकरवार, भारत सिंह भारती, भिकरिया लडक्या धिंडा आदि हैं।

**10 अफसरों को सराहनीय, एसआई को विशिष्ट...**

पदक से नवाजा गया है। रामअवतार सिंह को लंबे समय से अनुशासित सेवा और कर्तव्यनिष्ठ कार्य के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। पुलिस महानिदेशक अरुणदेव गौतम ने पदक पाने वाले पुलिस अफसरों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

**'पीपुल्स पञ्च' की भावना के साथ...**

व्यक्तिगत संघर्षों, अभावों और त्रासदियों को पार कर न केवल अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट बने, बल्कि आजीवन समाजसेवा को अपना ध्येय बनाया। सम्मानित व्यक्तियों में ऐसे चिकित्सक भी हैं, जिन्होंने हीमोफीलिया जैसी स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों पर काम किया, वहीं एक नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ ने देश का पहला मानव दूध बैंक स्थापित किया। कुछ लोगों ने लुप्त होती लोक कलाओं, हथकरघा और पारंपरिक बुनाई को संरक्षित किया, तो कुछ ने आदिवासी भाषाओं, स्वदेशी युद्ध कलाओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दिलाई।

बनाने का वादा करते हुए पूरा किया गया। इसमें से 8 लाख लोगों का गृह प्रवेश हो चुका है। 3 लाख लोग तो बिलासपुर में ही पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के दौरान गृह प्रवेश कर चुके हैं। इसके साथ ही 21 विक्टल प्रति एकड़ धान खरीदी की जा रही है तो प्रति एकड़ 3100 रुपए का भुगतान भी किया जा रहा है। अंतर की राशि भी दो साल से दे रहे हैं। 70 लाख से अधिक महिलाओं को 23 किशत में 15 हजार करोड़ रुपए की राशि दी जा चुकी है। विकास का पैमाना इसी बात से तय कर सकते हैं कि पहले 20 किलोमीटर से ज्यादा दूर तक पढ़ने के लिए आना जाना पड़ता था। आज हर गांव में स्कूल खुल गए हैं। हायर सेकेंडरी तक की पढ़ाई निशुल्क हो रही है।

**डॉ. द्विवेदी- गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक छग को नक्सलमुक्त करने का दावा किया है, क्या स्थिति है?**  
 मुख्यमंत्री- पहले की सरकारों ने नक्सलियों के खत्म पर ध्यान नहीं दिया। खास तौर पर कांग्रेस की सरकार ने इच्छाशक्ति नहीं दिखाई। अब राज्य की भाजपा सरकार को केन्द्र का सहयोग मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार मिलकर इस दिशा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह की इच्छा शक्ति के साथ ही जवानों के हौसलों के कारण नक्सलवाद खत्म की ओर है। देखा जाए तो आज हमारे पास जवान वही है, संसाधन भी वही है फिर भी इच्छा शक्ति है इसलिए टारक फोर्स के साथ मिलकर नक्सलवाद खो खत्म किया जा रहा है। आज कमी घायल

जवानों से मिलने जाते हैं तो वह कहते हैं कि हम फिर से ठीक होकर लड़ाई लड़ेंगे और नक्सलियों को खत्म करेंगे। इसी हौसलों के कारण कई बड़े नक्सलियों को मार गिराया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलियों से आह्वान भी किया है कि वह मुख्यधारा में लौट आए। नक्सलियों के लिए बेहतर पुनर्वास नीति भी लागू की गई है। 25 हजार से अधिक नक्सलियों ने सरेंडर किया है। बस्तर क्षेत्र के 400 गांवों में सबसे सुंदर गांव योजना लागू की गई है। जिस क्षेत्र में पहले कोई जाना नहीं था वहां भी लोग पहुंच रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर क्षेत्र के अंदरूनी गांव में बिजली, पानी सड़क पहुंच रही है। अस्पताल, स्कूल खोले जा रहे हैं। जहां राशन के लिए पहले तीन-तीन दिन तक लाइन लगती थी अब वहां आसानी से राशन पहुंच रहा है।

बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया गया इसमें तीन लाख 91 हजार लोगों ने भाग लिया। बस्तर उत्सव का भी आयोजन हो रहा है जिसमें 47 हजार लोग भाग लेंगे।  
**डॉ. द्विवेदी- सरकार की एक बड़ी योजना महतारी वंदन से क्या नई महिलाओं को जोड़ जाएगा?**  
 मुख्यमंत्री- बिलकुल जोड़ा जाएगा। इस बारे में नए सिरे से सबे में करारा जाएगा। जो भी युवतियां 18 साल की हो गई होंगी और पात्रता की श्रेणी में होंगी उन्हें इस महतारी वंदन योजना का लाभ दिया जाएगा। जिससे की अधिक से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुंच सके। अभी तक 23 किशोरों में 70 70 लाख से अधिक महिलाओं को 15 हजार करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है।

**सभी देशवासियों को**  
**77<sup>वें</sup> गणतंत्र दिवस**  
**की हार्दिक शुभकामनाएँ**

**राष्ट्र की आत्मा – वंदे मातरम्**  
**राष्ट्र की शक्ति – आत्मनिर्भर भारत**

**संविधान की निहित भावना है - We, the people (हम लोग)।**  
**सबका प्रयास - हम इसी मंत्र को लेकर आगे चलें।**  
**विकसित भारत का सपना जब 140 करोड़ देशवासियों का सपना बन जाता है और संकल्प लेकर देश चल पड़ता है तो इच्छित परिणाम लेकर रहता है।**  
**- नरेन्द्र मोदी**

कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह के विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुबह 9:25 बजे से दूरदर्शन नेटवर्क पर

**छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक**  
**CHHATTISGARH GRAMIN BANK**  
 (Scheduled Bank Owned by Government)

**समस्त सम्माननीय ग्राहकों एवं प्रदेशवासियों को**

**26 जनवरी**  
**गणतंत्र दिवस**  
 — की हार्दिक शुभकामनाएं —

**627 शाखाओं**  
**2775 बैंक मित्र**  
**627 बैंक सखी**

**के साथ प्रदेश का सबसे बड़ा बैंक "हमेशा आपके साथ"**

**इंटरनेट बैंकिंग**      **मोबाइल बैंकिंग**

**कार ऋण**      **गोल्ड ऋण**      **आवास ऋण**      **सोलर ऋण**      **कृषि ऋण**

**उपलब्ध हैं**

कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लॉट नं.- 47, सेक्टर-24, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.)  
 Website : www.cgbank.in | Toll Free No. : 1800 233 2300

**शब्द पहेली - 6120**

1	2	3	4	5	6
7		8		9	
	10		11	12	
13		14		15	16
		17		18	
19	20	21	22	23	24
		25			
26	27	28	29		
	30	31	32	33	
34	35	36			37
			39		
38					

**बाएँ से दाएँ**

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रत्नेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कृपता-4
34. इसाई साध्वी -2

**36. टेंशन, परेशानी-3**  
**37. खुजली -2**  
**38. अशक्त, निर्बल-4**  
**39. नगर में रहनेवाला-5**  
**ऊपर से नीचे**

1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सदपुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. क्षार, खारा-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. धाम्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. धय, खोफ-2
20. वेग, गति-3

**21. मुंह, चेहरा-2**  
**22. पैर, ओहदा-2**  
**23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4**  
**24. शकरगंजी, कंद-5**  
**25. सभागार, सभाकक्ष-5**  
**26. भयंकर, खतरनाक-4**  
**27. मोड़-2**  
**31. कायर, डरपोक-3**  
**33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3**  
**35. भीगा हुआ-2**  
**37. नौकरानी-2**

**शब्द पहेली- 6119 का हल**

श	र	क	पू	र	अ	च	र	ज
ज	य	र	सि	ति	ज	त	ल	
ना	अ	मा	न	त	र	वा	ब	
न	सी	ह	व	ह	म	का	न	
खा	म	र	न	र	म	का	न	
ना	म	क	र	ण	स	ला	ह	का
हा	की	रा	ना	र	ज			
का	न	न	र	ज	जा	त्र	त	
म	र	ज	ध	व	रा	ना	प	
का	र	ग	ज	ज	घ	ट		
ज	म	त	ना	ट	का	र		

**सूडोकू नवताल - 6130**

			2						4
			6						1
	5		8			2			3
			7						6
		3					8		
1		6			3			7	
2						5			
8						4			

**सूडोकू नवताल - 6129 का हल**

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।  
 ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।  
 ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।  
 ■ पहेली का केवल एक ही हल है।





# इंडिया एनर्जी वीक 2026

## भारत से विश्व तक, भविष्य का नवनिर्माण



स्वच्छ ऊर्जा समय की मांग है। बेहतर कल के लिए हमारी प्रतिबद्धता सर्वोपरि है और यह हमारे काम में झलकती है।

- नरेन्द्र मोदी



75,000+  
ऊर्जा प्रोफेशनल्स

700+  
कंपनियाँ

120+  
देशों का प्रतिनिधित्व

6,500+  
प्रतिनिधि

120+  
सत्र

550+  
स्पीकर्स

## इंडिया एनर्जी वीक 2026

का

भव्य उद्घाटन

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

विशेष वीडियो संदेश



मंगलवार, 27 जनवरी, 2026 | प्रातः 10:00 बजे



कन्वेंशन हॉल, ओएनजीसी एटीआई, गोवा

### गत एक दशक में ऊर्जा क्षेत्र का रूपांतरण

#### वैश्विक नेतृत्व:

- विश्व का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब, क्षमता लगभग 260 एमएमटीपीए
- छठवां सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क, लगभग 26,000 किमी
- वर्ष 2050 तक बढ़ती वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 35% का योगदान

#### स्वच्छ रसोई ईंधन में क्रांति:

- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10.40 करोड़ से अधिक घरों को निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन
- लक्षित 33 करोड़ घरों को एलपीजी सुविधा से जोड़ने का कार्य लगभग अंतिम चरण में
- 1.50 करोड़ से अधिक घरों को पाइपड नैचुरल गैस (पीएनजी) से जोड़ा गया

#### सतत ऊर्जा में नई कीर्ति:

- नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने में विश्व में चौथे स्थान पर
- स्थापित विद्युत क्षमता का 50% से अधिक हिस्सा गैर-जीवाश्म (नॉन-फॉसिल) ईंधन से प्राप्त
- COP26 का लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले पूरा

#### सशक्त कदम, समृद्ध गांव:

- 170 कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट्स द्वारा प्रतिदिन लगभग 1,150 टन सीबीजी का उत्पादन
- किसानों को लगभग ₹1.40 लाख करोड़ का भुगतान
- पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण की उपलब्धि



हमसे जुड़ें: [in](#) [X](#) [f](#) [@](#)

#IndiaEnergyWeek | www.indiaenergyweek.com

इस इवेंट का लाइव टेलीकास्ट  
DD न्यूज़ यूट्यूब चैनल पर देखें।



अधिक जानकारी के लिए  
QR कोड स्कैन करें



## छत्तीसगढ़ की विख्यात एवं अनुभवी कैंसर सर्जन्स की टीम बालको मेडिकल सेंटर में

बालको मेडिकल सेंटर में हम उन्नत तकनीक और विशेषज्ञ सर्जिकल कौशल के साथ कैंसर का सटीक उपचार प्रदान करते हैं। हमारा लक्ष्य न केवल कैंसर को हटाना है, बल्कि आपके जीवन की गुणवत्ता को पुनः स्थापित करना है।

### सर्जिकल ऑन्को विशेषज्ञ टीम

**डॉ. दिवाकर पांडेय** वरिष्ठ सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी  
MBBS, MS (जनरल सर्जरी), M.Ch. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल),  
Dr.NB (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी), FACS, FSSO, USA

**डॉ. श्रवण नाडकर्णी** सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी  
MBBS, MS (जनरल सर्जरी), FMAS, M.Ch. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, (टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल)  
MRCS (Edinburgh)

**डॉ. दीपांजन बिस्वास** सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी  
MBBS, MS (जनरल सर्जरी), M.Ch. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, (टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल)

**डॉ. नूपुर प्रिया** सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी  
MBBS, MS (जनरल सर्जरी), फेलोशिप, ब्रेस्ट एंड सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, (टाटा मेडिकल सेंटर)

**डॉ. रश्मि राय** सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (मुँह, सिर एवं गर्दन कैंसर विशेषज्ञ)  
BDS, MDS (मुख एवं जबड़ा शल्य चिकित्सा), FIBCSOMS (सिर एवं गर्दन)

**डॉ. पलक अग्रवाल** जूनियर सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (मुख कैंसर विशेषज्ञ)  
BDS, MDS (ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी), FHNO

## बालको मेडिकल सेंटर

- बीएमसी कैंसर डेकेयर प्रथम तल, गंगा डायनोस्टिक, कलर्स मॉल के पास, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़) 492001
- सेक्टर 36, नवा रायपुर, (अटल नगर), छ.ग. 493661
- 8282823333/4444
- www.balcomedicalcentre.com




## 5 करोड़ सपनों की कहानी. एक भरोसे की जुबानी.

आज ही जुड़िए बढ़ते स्प्लेंडर परिवार के साथ और मुस्कानों से भरे सफ़र की कीजिए शुरुआत.



**RADA AUTO EXPO 2026**  
रोड टैक्स पर 50% की छूट  
ऑफर सिर्फ 05 फरवरी 2026 तक

एक्स-शोरूम कीमत **₹80,214\***

नया **Splendor+ XTEC 2.0**

सेगमेंट में पहली बार ऐसे फीचर्स!



हाई इंजेंसिटी पोजिशन लेम्प के साथ LED हेडलाइट



हैजर्ड लाइट विकर



SMS और कॉल अलर्ट के साथ ब्लूटूथ



इको इंजिंकेटर के साथ फुली डिजिटल मीटर

**Splendor+ WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE**

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 265 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. \*Based on the combined & cumulative dispatch volume of the Splendor range of motorcycles till March 2025. †Internal benchmarking on the basis of data available in public forums for 100cc segment bikes in India. Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. ‡Ex-showroom price of SPLENDOR+ XTEC 2.0 DRUM BRAKE in Chhattisgarh. -Offer valid only for vehicles sold in Rada Auto Expo, Raipur.

अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनगरी: जय हीरो, 9289922357, धनलक्ष्मी: सत्यम हीरो, 9289922525, कांकेर: दाहल हीरो, 9289922834, मुरझमुर: वल्ल हीरो, 9289922623, बल्लोदाबाजाट: अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंभ: श्री राम हीरो, 9289922968, बेनेतरा: श्री साई हीरो, 9289922835, कवर्ध: सरस्वती हीरो, 9289922958, मनमलपुर: विजयपाल हीरो, 9289923064, हतेबाड़ा: जय विजय हीरो, 9289922990, दन्तरी: लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटपारा: कुशल हीरो, 9289923052, भिलाई: इंदियन हीरो, 9289922355, चोहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोसिएट डीलर: रायपुर: संजय ऑटोवेल, 9289924245, 0771-4266555, चंद्रिया: ललित सविसेज, 8770383767, अनूपुरी: ओम ऑटो एजेंसी, 8261535855, रीमूवाणी: किरण मोटर्स, 9754089392, लखन: गणपति ऑटो, 992660111/9340379300, भिखरी: श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, मुक्त: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोडला: विकी मोटर्स, 9755583102, पोद्दारगढ़: शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अम्बपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, पुष्टी: अंकित ऑटो, 9425240565, बवाणक: श्री मोटर्स, 9185255555/9009868899, रजिम्: गुरुदेव ऑटोमोबाइल्स, 9977280000, जयेश: अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सदायपाली: बंसल ऑटो, 9425513811, धीमदगढ़: युवराज मोटर्स, 8085180380, तिल्ला: आरसन मोटर्स, 9340335286, नगरी: हर्ष ऑटो, 8109502100, फटन: दिव्या ऑटो, 9893492107, बाणबाट्टा: प्रियंका ऑटोकैयड, 9131058752, कोण्डगांव: आहुजा ऑटोमोबाइल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केसकाल: साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, इन्दरी: किरण ऑटोकैयड, 9754069392, फडरगांव: राजा ऑटोमोबाइल्स, 9425594144, बेरल: कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसदोल: वज्रंग मोटर्स, 9425519173, बाली: नैन ऑटोकैयड, 9425563502, लिनतारा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाइल्स, 8301361155, नरियकंद: छत्तीगढ़ ऑटोकैयड, 8319358443, खतेदा: सत्यम ऑटोमोबाइल्स, 9977155055, गुंठदेही: एम.एन. ऑटो, 9893542300/8720051135, मानुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसाली: भारत मोटर्स, 9993417123, पिनेश: अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुद: शिव ऑटो, 830571110/9993454103, इंदरपिनार-कांकेर: अंधू ऑटो, 9406054292, पळमूर: दिशान सविसेज, 6267323235, मोहदा पनद: गोविंद ऑटोकैयड, 9303664769, कुदकुद: दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकन: आशुतोष ऑटोमोबाइल्स, 9425260291, अम्बपुर: संस्कार मोटर्स, 9406203600, नालपुर: दिलीप ऑटोकैयड, 7999054324, लाखोली: शुभम ऑटोकैयड, 975400069, अन्वानद चौकी: अनर मोटर्स, 9827969901, सारैवाड़ा: साई मोटर्स, 9754329434, रजिम्: राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारंगगांव: जी वी मोटर्स, 7566666243, सरदोया: श्रीराम ऑटो, 6260060443, चीनापुर: माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामा: श्री कर्णा ऑटोमोबाइल्स, 9827894444, गुंठदेही: श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखारा: प्रेन ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेल्स): इंदियन हीरो, 0788-491301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉप: रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (डिकरपारा), 2274333/866, राजधानी ऑटोकैयड, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: संजय ऑटोमोबाइल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो, 9285052266, भिलाई इंदियन हीरो, 9289922355, दन्तरी: लक्ष्मी हीरो, 9289922983.